तापमान

अधिकतम 32.1 डिग्री

न्यूनतम 25.5 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, सोमवार 8 जुलाई 2024

13 स्मार्ट मीटर शुरुआती परीक्षण में पास, दस के आंकड़े मिले...

14 बिलासपुर जोन की 38 ट्रेनों में अतिरिक्त कोच दूसरे जोन...

आयुष्मान का पैसा खाया, चार निजी अस्पतालों पर 18.55 लाख जुर्माना, 17 को थमाया नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मरीजों का निशुल्क इलाज करने के बजाय आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का पैसा खाने वाले चार और निजी अस्पतालों पर 18.55 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा कार्ड ब्लॉक करने के बाद भी मरीजों से अतिरिक्त राशि लेने और ओपीडी के पेशेंट को आईपीडी में दिखाने जैसे मामलों में 17 और अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

अलग खबर

स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत मुफ्त इलाज की योजना में ज्यादा पैसे कमाने के चक्कर में निजी अस्पतालों द्वारा गड़बड़ी का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले माह इस तरह की शिकायतों पर चार अस्पतालों के खिलाफ लगभग 40 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया था और कई अस्पतालों को नोटिस थमाया गया था। उनसे मिले जवाब और दस्तावेजों की जांच के साथ फाइन लगाने का काम अभी भी जारी है। सूत्रों के अनुसार जिन अस्पतालों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था, ऐसे चार निजी अस्पतालों पर बड़ा जुर्माना ठोका गया है। ज्यादातर अस्पतालों में जनरल वार्ड के मरीजों को आईसीयू में दाखिला बताकर कार्ड का पैकेज ब्लॉक किया गया था। इसके अलावा राज्य के 17 अस्पतालों को इसी तरह की गड़बड़ी के आरोप में नोटिस जारी कर ⏭ शेष पेज 13 पर

कार्ड ब्लॉक करने के बाद भी मरीजों से अतिरिक्त राशि की वसूली

इन्हें दिया नोटिस

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना की नोडल एजेंसी द्वारा रायपुर के सिटी-24 हास्पिटल, पटेल हास्पिटल, अनंत हास्पिटल, विघ्नेश हास्पिटल, न्यू वंदना हास्पिटल, श्री गोविंद हास्पिटल, महानदी हास्पिटल, गौतम हास्पिटल, लक्ष्मीनारायण हास्पिटल, लालमति हास्पिटल, वैदेही हास्पिटल, बिलासपुर के आरबी हास्पिटल, नोबल हास्पिटल, न्यू लाइफ हार्ट केयर हास्पिटल, श्री मंगला हास्पिटल, कबीरधाम के स्नेहा हास्पिटल तथा बालोद के उम्मीद हास्पिटल को नोटिस जारी किया गया है।

- ओपीडी के मरीजों का आईपीडी और आईसीयू में इलाज, शिकायत
- पिछले माह चार अस्पतालों के खिलाफ लगाया गया था जुर्माना

इन अस्पतालों पर अर्थदंड

1. साईं समर्थ हास्पिटल आरंग 4 लाख 25 हजार
2. सीएमआईटी हास्पिटल शंकरनगर 11 लाख 8 हजार
3. ओमकार हास्पिटल बिलासपुर 1 लाख 82 हजार
4. अंकुर हास्पिटल खरोरा हाईस्कूल के पास 1 लाख 40 हजार

खबर संक्षेप

अब गांवों में चला रहे निजात अभियान

रायपुर। मादक पदार्थों की अवैध खरीदी-बिक्री रोकने के साथ ही लोगों को नशे से दूर रहने एसएसपी संतोष सिंह द्वारा चलाया जा रहा निजात अभियान अब शहर से निकलकर गांव तक पहुंच गया है। ग्रामीण इलाकों में पुलिस लोगों को नशे से दूर रहने जनजागरूकता अभियान चला रही है। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में पहुंचकर छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी जा रही है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं और अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बंजारी नगर निवासी अमरीका वर्मा की मौत हुई है। अज्ञात वाहन ने शुक्रवार को रिंगरोड-1 पर पैदल जा रही महिला को ठोकर मार दी। मौके से गुजर रहे लोगों ने महिला को पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

रायपुर विकास प्राधिकरण ने मॉल की डिजाइन तय की

150 करोड़ में बनेगा एकता मॉल, एक छत के नीचे मिलेंगे 28 राज्यों के हस्तशिल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंडरी हाट-बाजार में गुजरात की तर्ज पर छह मंजिला पीएम एकता मॉल बनाने की तैयारी है। इसकी डिजाइन रायपुर विकास प्राधिकरण ने तैयार कर ली है। 27 माह में यह मॉल बनकर तैयार होगा। एकता मॉल में देशभर के 28 राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। केंद्र सरकार की योजना के तहत 150 करोड़ की लागत से एकता मॉल का निर्माण करने रायपुर विकास प्राधिकरण ने ऑनलाइन टेंडर कर रायपुर के डीईई और वीईई प्रोजेक्ट लिमिटेड को अनुबंधित किया है। इसके लिए प्राधिकरण की ओर से जल्द वर्कआर्डर जारी होगा।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी रायपुर में प्रदेश के पहले पीएम एकता मॉल का निर्माण कराया जाएगा। जिसमें अलग-अलग राज्यों के उत्कृष्ट हस्तशिल्प कलाकृति के स्टॉल रहेंगे। मॉल का सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल 4,73,392 वर्गफीट एरिया रहेगा। इस मॉल में छत्तीसगढ़ के हरेक जिले का एक-एक स्टॉल बनाया जाएगा, जिसमें हस्तशिल्प से जुड़े उत्पाद प्रदर्शन व विक्रय के लिए रखे जाएंगे। इसके अलावा पीएम एकता मॉल में 200 सीटर क्षमता के आडिटोरियम भी बनाए जाएंगे। जो कार्यक्रम, सम्मेलन के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। ⏭ शेष पेज 13 पर

खास बातें

- निर्माण में सुपरविजन के लिए प्राधिकरण को मिलेगी 15 फीसदी राशि
- रायपुर की एजेंसी को जल्द जारी होगा वर्कआर्डर

छह मंजिला बिल्डिंग 27 माह में होगी तैयार

देवेंद्र नगर स्थित पंडरी हाट-बाजार अब हटाया जाएगा। केंद्र सरकार की योजना के तहत यहां गुजरात की तर्ज पर पीएम एकता मॉल का निर्माण किया जाएगा। छह मंजिला बिल्डिंग 27 माह माह में बनकर तैयार होगी। मॉल निर्माण के सुपरविजन का जिम्मा रायपुर विकास प्राधिकरण को दिया गया है। प्राधिकरण को इसके एवज में 15 फीसदी राशि सुपरविजन शुल्क के रूप में मिलेगी।

एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर स्टॉल

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने हरिभूमि को बताया कि एकता मॉल में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले के चुनिंदा उत्पाद एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर उपलब्ध रहेंगे। साथ ही देश के सभी प्रमुख राज्य जम्मू-कश्मीर, पंजाब, ⏭ शेष पेज 13 पर

जल्द जारी करेंगे वर्कआर्डर

छत्तीसगढ़ हाट-बाजार की जगह पर पीएम एकता मॉल बनाने रायपुर की एजेंसी को वर्कआर्डर जल्द जारी किया जाएगा। 150 करोड़ के इस प्रोजेक्ट का सुपरविजन आरडीए द्वारा किया जाएगा। इसके लिए 15 फीसदी राशि आरडीए को मिलेगी।

- **अनिल गुप्ता,** अधीक्षण अभियंता, आरडीए

रथयात्रा की भीड़ में जेबकतरों ने मोबाइल लूटे, जेब काटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार को रथयात्रा में उमड़ी भीड़ का फायदा उठाते हुए जेबकतरों ने कई लोगों से मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मोबाइल लूट तथा वॉलेट चोरी करने के आरोप में एक नाबालिग बदमाश को पकड़ा है। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से पुलिस ने वॉलेट तथा मोबाइल जब्त किया है।

- एक नाबालिग धरा गया, वॉलेट और मोबाइल जब्त

पुलिस के मुताबिक, वॉलेट चोरी करने के आरोप में जिस नाबालिग को पकड़ा है, उसे एक युवक ने अपना वॉलेट चोरी करते पकड़ लिया। वॉलेट में नकदी पांच सौ रुपए थे। नाबालिग आरोपी ने पुलिस को मोबाइल अपना होने की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार मोबाइल की तसदीक की जा रही है। रथयात्रा में शामिल अन्य लोगों के मुताबिक, रथयात्रा के दौरान कई बदमाश सक्रिय रहे। बदमाशों ने कई लोगों की जेबें काटने के साथ ही मोबाइल लूट की घटना को भी अंजाम दिया है। पुलिस के अनुसार, उनके पास वॉलेट चोरी होने की केवल एक शिकायत आई है।

कोतवाली के पास भारी भीड़

रथयात्रा के दौरान कोतवाली चौक पर अच्छी खासी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की इस भीड़ का बदमाशों ने फायदा उठाया। प्रसाद के लिए रुमाल दिखा रहे लोगों के मोबाइल, पर्स तक निकाल ले गए।

ओवरटेक के विवाद पर मारपीट

रायपुर। मंदिर हसौद थाने में एक व्यक्ति ने दो अज्ञात लड़कों के खिलाफ गाड़ी ओवरटेक करने के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामनारायण मिश्रा ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। रामनारायण ने पुलिस को बताया कि गुजराती होटल के सामने दो अज्ञात लड़कों ने ओवरटेक करने की बात को लेकर उसके साथ विवाद कर मारपीट की।

गांधी उद्यान के पास अब नहीं बनेगा वेंडिंग जोन, लेफ्ट टर्न की सड़क पर ट्रैफिक जाम का अंदेशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गांधी उद्यान के पास लेफ्ट टर्न की व्यस्त सड़क के किनारे अब वेंडिंग जोन नहीं बनाया जाएगा। नगर निगम ने यहां पर वेंडिंग जोन बनाने का प्रस्ताव रद्द कर दिया है। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने कहा है कि गांधी उद्यान के समीप अब वेंडिंग जोन नहीं बनेगा, बल्कि शहर के 3 अन्य प्रस्तावित जगहों पर पीपीपी मोड पर वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। इनमें टिकरापारा के पुजारी पार्क के पास, जब्बार नाला के पास पाम ब्लाजियो के निकट और बूढ़ापारा धरनास्थल की खाली जगह शामिल है।

- निगम आयुक्त ने बताया, 3 जगहों पर वेंडिंग जोन प्रस्तावित

नगर निगम ने गांधी उद्यान के पास नेकी की दीवार वाली जगह के करीब वेंडिंग जोन बनाने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया है। शंकरनगर आने-जाने वाले इस मार्ग पर लेफ्ट टर्न स्पॉट होने की वजह से आए दिन यहां सुबह से देर शाम तक ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में यदि वहां पर वेंडिंग जोन बनाया गया तो शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस स्थिति को देखते हुए निगम प्रशासन ने गांधी उद्यान के समीप प्रस्तावित वेंडिंग जोन को निरस्त कर दिया है। विदित हो, राजधानी के 4 जगहों पर भुवनेश्वर की तर्ज पर प्रथम चरण में पीपीपी मोड पर वेंडिंग जोन बनाने की योजना तैयार की थी, जिसके मुताबिक संबंधित स्थल पर लोगों को वाई-फाई और चार्जिंग पाइंट की सुविधा देने तथा वेंडिंग जोन को सौलर लाइट से जगमगाने की योजना है। जीरो बजट पर शहर में स्ट्रीट वेंडिंग जोन का कांसेप्ट लाया गया है। इसमें विज्ञापन एजेंसी संबंधित स्पॉट पर विज्ञापन बोर्ड लगाकर खर्च वहन करेगी। वेंडिंग जोन के रंग में एकरूपता रहेगी।

एक रद्द, तीन जगह बनाएंगे

पीपीपी मोड पर शहर में 4 जगहों पर प्रथम चरण में वेंडिंग जोन बनाया जाना है। इसमें गांधी उद्यान के समीप वेंडिंग जोन बनाने का प्लान था, जिसे कैंसिल किया गया है। बाकी 3 प्रस्तावित जगहों पर वेंडिंग जोन पीपीपी मोड पर बनाया जाएगा।

- **अबिनाश मिश्रा,** आयुक्त नगर निगम रायपुर

वनभूमि पर पट्टे की आड़े में कब्जों की बाढ़, हटाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में वनाधिकार पट्टे की आड़ में वनभूमि पर बेजा कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जाएगी। इस संबंध में डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन का कहना है कि वनाधिकार पट्टे की आड़ में अवैध कब्जा करने वालों की पहचान की जा रही है। इसके बाद अभियान चलाकर वनभूमि को कब्जामुक्त कराया जाएगा। गौरतलब है कि वनाधिकार पट्टे की आड़ में कब्जा की गई वनभूमि खाली कराने गए रेंजर तथा वनकर्मियों ⏭ शेष पेज 13 पर

- अफसर बोले- पट्टों की जांच कराकर अतिरिक्त कब्जा मुक्त कराने अभियान चलाएंगे

पट्टों की करेंगे जांच

वन अफसरों को आशंका है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में ओडिशा से आए ग्रामीणों के अलावा अन्य क्षेत्र से आकर लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से वनाधिकार पट्टा हासिल कर लिया है। वन अफसर फर्जी तरीके से वनाधिकार पट्टा हासिल करने वाले लोगों की पहचान के लिए उनके दस्तावेजों की जांच करने की बात कह रहे हैं। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर के मुताबिक, जंगल में बेजा कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने पुलिस की मदद ली जाएगी, जिससे किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित होने से रोका जा सके।

शहर में भी छाए रहे काले बादल, दिन में केवल छींटे पड़े

सिस्टम बना हुआ, पर रथयात्रा के दिन भी बारिश नहीं, बस्तर में बूंदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मान्यता के अनुसार रथयात्रा के दिन बारिश होना शुभ संकेत माना जाता है। सिस्टम बने होने के बाद भी इस बार प्रदेश में बारिश नहीं हुई। बस्तर जैसे इलाके में बूंदाबांदी की स्थिति बनी रही और शहर में छाए काले बादल भी केवल छींटे पड़ने के लायक रह गए।

सिस्टम के असर से अलग-अलग स्थानों पर बादल बरसते रहे हैं, मगर 1 जुलाई के बाद से राज्य में मानसूनी बारिश का प्रभाव व्यापक रूप से नजर नहीं आया। दूर चली गई मानसून द्रोणिका वापस लौट आई है और प्रदेश को भिगोने के लायक सिस्टम भी बना हुआ है, मगर बारिश होने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को भी रायपुर समेत प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग द्वारा कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया था, मगर शाम ढलने के बाद किसी भी इलाके से अच्छी खबर नहीं है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिनभर में जगदलपुर में एक सेमी. तक बारिश नहीं हुई। शहर का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा, यहां छाए बादलों के बरसने का इंतजार होता रहा। बादलों की वजह से रविवार को शहर का तापमान 32 डिग्री यानी सामान्य स्थिति में पहुंच गया। छाए बादलों को देखते हुए इस बात की संभावना जरूर जताई जा रही है कि अगले चौबीस घंटे में यहां हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

तीन सिस्टम के आसार बने हुए

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अभी मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, सीकर, ग्वालियर होते हुए दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। इसके अलावा एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे दक्षिण तटीय आंध्रप्रदेश के ऊपर बना हुआ है। द्रोणिका दक्षिण-पश्चिम उत्तरप्रदेश से उत्तर-पूर्व असम तक मौजूद है। इससे हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना बनी हुई है, भारी बारिश बस्तर में होने के आसार हैं।

नवा रायपुर और भिलाई के नए मेडिकल कॉलेजों को मिलेगी हरी झंडी

राज्य में अब 10 शासकीय और 5 निजी मेडिकल कॉलेज होंगे

छत्तीसगढ़ में खुलेंगे दो नए मेडिकल कॉलेज शासकीय और निजी मिलाकर अब 2210 सीटें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में चिकित्सा की पढ़ाई करने के लिए छात्रों को निजी कॉलेजों के रूप में दो और विकल्प मिलेंगे। एनएमसी द्वारा नवा रायपुर और भिलाई में डेढ़-डेढ़ सौ सीटों वाले दो नए चिकित्सा महाविद्यालयों को मान्यता दिए जाने की प्रबल संभावना है। राज्य में शासकीय और निजी कॉलेज मिलाकर अब एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 2210 हो जाएगी।

खास खबर

जानकारी के अनुसार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा हर जिले में एक मेडिकल ⏭ शेष पेज 13 पर

छात्रों को फायदा होगा

कॉलेजों की संख्या बढ़ने से छात्रों के प्रवेश के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे। साथ ही कट ऑफ मार्क्स में कमी आने का लाभ भी मिलेगा।

- **डॉ. यूएस पैकरा,** डीएमई

चार शासकीय कॉलेज अगले साल

सूत्रों के अनुसार राज्य में कबीरधाम, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़ और गीदम में नए चिकित्सा महाविद्यालय खोलने हैं। इनके लिए निर्माण कार्य सहित अन्य संसाधन जुटाने का काम चल रहा है। इसकी वजह से इनकी मान्यता के लिए अभी किसी तरह की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। राज्य में कई शासकीय कॉलेजों में फैकल्टी सहित अन्य संसाधनों का अभाव है। इस वजह से जुर्माना भरने के बाद उन्हें आने वाले शिक्षण सत्र के लिए मान्यता मिली है।

किन कालेजों में कितनी सीटें (कोटा सहित)

शासकीय- रायपुर 230, बिलासपुर 180, बस्तर 125, दुर्ग 200, रायगढ़ 100, राजनांदगांव 125, अंबिकापुर 125, कांकेर 125, कोरबा 125, महासमुंद 125 इसके अलावा निजी मेडिकल कॉलेज रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्री बालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 150-150 सीटें हैं। दोनों नए कॉलेजों में कुल 300 सीटें होंगी।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

भोथली में 400 पौधों का किया गया रोपण

आरंग। ग्राम भोथली के गौठान एवं स्कूल परिसर में 400 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर पंचायत सचिव रेखा धीवर, रोजगार सहायक सीमा साहू, पंच दयाराम साहू, राधा, भुनेश्वरी साहू, टिकेश्वरी लोधी, बसंता बंजारे, उमा साहू, अनिपा बंजारे, ममता लोधी, लक्ष्मी चंद्राकर, अहितमती खुटे, दुलेश्वरी यादव, गौतम आडिल सहित पंचगण व ग्रामवासी उपस्थित थे।

यादव समाज भवन के लिए भूमि पूजन

सिलयारी। रविवार को रथयात्रा के पावन पर्व पर सिलयारी में यादव समाज भवन का भूमि पूजन कार्यक्रम जिला पंचायत सदस्य राकेश यादव और सिलयारी ग्राम पंचायत सरपंच भानमति मांड़े के हाथों से हुआ। जिसमें शेखर यादव, पंचु यादव, राजू यादव, डोमार यादव, राजेश विनोद, राकेश बबलू और यादव समाज की महिलाएं, बुजुर्ग व बच्चे उपस्थित थे।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने किया पौधारोपण

रायपुर। नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और रमण मंदिर वार्ड पार्षद सूर्यकांत राठौर ने रविवार को वार्ड के चूनाभट्ठी डबरापारा रामायण मैदान में कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ पौधारोपण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उन्होंने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने शपथ ली कि पौधे की सुरक्षा कर उसे वृक्ष का स्वरूप दिलाने तक देखरेख करेंगे। पौधारोपण कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष सूर्यकांत राठौर, विष्णु नामदेव, संजय शर्मा, धनेश साहू, केदार यादव, बृजेश राउत, ललिता यादव, शंभू गुप्ता, उमेंद्र वर्मा, संतोष सोनकर, श्रवण यदु, मितानिन सरोज यदु, विद्या साहू, पार्वती सिन्हा, सुदामा यादव, नरेंद्र बिसेन सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने आज स्वर्णप्राशन

रायपुर। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने 8 जुलाई को रायपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है। चिकित्सालय के कौमारभृत्य बाल रोग विभाग में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक इसका सेवन कराया जाता है। यह औषधि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, श्वसन संबंधी एवं अन्य रोगों से रक्षा करने के साथ ही एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी है। यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में भी मदद करता है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में बच्चों के लिए स्वर्णप्राशन का आयोजन किया जाता है। स्वर्णप्राशन हर महीने की पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को पिलाई जाने वाली औषधि है। इस साल 8 जुलाई के साथ ही अन्य पुष्य नक्षत्र तिथियों 3 अगस्त, 30 अगस्त, 26 सितम्बर, 24 अक्टूबर, 20 नवम्बर और 18 दिसम्बर को भी स्वर्णप्राशन कराया जाएगा।

महिलाओं और पुरुषों ने एक साथ खींचा रथ, दर्शन के लिए शामिल हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदखुरी

कौशल्या माता मंदिर विकास समिती द्वारा लगातार कई वर्षों से रथयात्रा पर्व का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्थानीय माता कौशल्या माता मंदिर चंदखुरी मंदिर परिसर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा, और बलभद्र भैया की यात्रा बाजे गाजे के साथ निकाली गई। उक्त अवसर पर नगर के ग्रामीण सहित काफी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भगवान जगन्नाथ के रथ खींचा। रथयात्रा को पूर्व नगर पंचायत चंदखुरी अध्यक्ष रवि शंकर धीवर ने जय जगन्नाथ के गगनभेदी उद्घोष के बीच पूजन आरती किया तथा यात्रा के रास्ते में झाड़ू लगा कर कुबेर वर्मा नरेश चेलक दुलार, ढीमर के साथ रथ को खींच कर यात्रा प्रारंभ किया। उन्होंने उक्त अवसर पर नगर एवं विधानसभा आरंग जिले वासियों के लिए सुख शांति की कामना किया। मंडलियों द्वारा गाए गए भजनों के बीच रथ यात्रा नगर पंचायत चंदखुरी का भ्रमण कराया गया। बाजार चौक मे भ्रमण करते हुए पुनः जगन्नाथ मंदिर मे विराम दिया गया।

चंदखुरी में निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

विधायक ने क्षेत्र की खुशहाली की कामना

अभनपुर। राधाकृष्ण मन्दिर ट्रस्ट समिति द्वारा आयोजित जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा में अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू शामिल होकर भगवान जगन्नाथ को पुष्प श्रीफल अर्पण कर अभनपुर क्षेत्र व जनता की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिक एवं व्यापारी बंधु शामिल रहे।

सिलयारी व मलौद में निकली रथयात्रा

सिलयारी। सिलयारी मलौद में रथयात्रा बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सीताराम मंदिर शीतला चौक से भगवान जगन्नाथ बलभद्र और बहन सुभद्रा को श्रृंगार कर रथ में विराजमान करा आरती पूजन साथ चना मुंग का भोग लगा संपूर्ण नगर का भ्रमण संगीत के साथ किया गया किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधियों के साथ आसपास गांव के सैकड़ों लोग उपस्थित थे। ग्राम पुरोहित पंडित मनहरण प्रसाद शर्मा ने बताया कि इस वर्ष यह रथयात्रा का 53 वर्ष पूर्ण हुआ, यह मंडप हमारे पूर्वजों द्वारा निर्मित है जिसे हर साल सुसज्जित करके निकाला जाता है।

अपराध : मध्यान्ह भोजन की जानकारी के बहाने कक्ष में बुलाया फिर किया दुर्व्यवहार

प्रधानपाठक ने मध्यान्ह भोजन पका रही युवती से की छेड़छाड़, हल्ला मचाया तब आरोपी ने छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

धरसींवा ब्लाक के प्राथमिक शाला मांढर के प्रधान पाठक के ऊपर मध्यान्ह भोजन पकाने वाली एक महिला ने आरोप लगाया है कि शराब की नशे में प्रधान पाठक ने उसके साथ छेड़छाड़ किया है। वहीं शराबी प्रधान पाठक को पुलिस ने गिरफ्तार भी नहीं किया है। घटना के तीन दिन बाद भी आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है।

मिली जानकारी के अनुसार ब्लाक मुख्यालय धरसींवा के ग्राम पंचायत मांढर स्थित प्राथमिक शाला मांढर में पदस्थ प्रधान पाठक पन्ना लाल मिर्झा बीते 5 जुलाई को स्कूल में शराब के नशे में झूमते हुए पहुंचे और ग्राम के ही मां और बेटी जो स्कूल में बच्चों के लिए मध्यम भोजन पका रही थी वहां पहुंचे और भोजन की जानकारी के बहाने बेटी को अपने कक्ष में बुला कर छेड़छाड़ और बदतमीजी करने लगे जहां पीड़ति लड़की ने जब हल्ला मचाया तब आरोपी ने लड़की को छोड़ा। लड़की के साथ हुई घटना के बाद गांव में बवाल मच गया और मामला विधान सभा थाना पहुंच गए जहां पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 74 के तहत अपराध पंजी बद्ध कर लिए लेकिन आरोपी पर पुलिस की बड़ी मेहरबानी दिखाई पड़ रही जिसके तहत अब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

शराबी शिक्षकों के मरोसे स्कूल

केस- 1

राजधानी रायपुर के धरसींवा ब्लाक के ही स्कूल परसतराई में पदस्थ प्राचार्य संजय शर्मा की करतूत सामने आई है। प्राचार्य के उत्पात से छात्र-छात्राओं के साथ साथ महिला टीचर भी परेशान हो गए है थे। कई बार समझाने के बावजूद वह नहीं मान रहा था। कई बार तो वह ग्रामीणों से बहस भी कर लेता है। उससे जब उसके शराब पीने के बारे में पूछा गया तो कहने लगा मेरी मर्जी महज एक सप्ताह पूर्व ही धरसींवा विधायक अनुज शर्मा के जनदर्शन में सभी विद्यार्थियों और महिला शिक्षकों ने आप बीती बताई और जब विधायक ने जांच की आदेश दिए तो जांच अधिकारी तहसीलदार जब स्कूल पहुंचे तो प्राचार्य शराब के नशे में पाया गया और धारा 151 में जेल दाखिल किया गया।

केस- 2

धरसींवा ब्लाक के ही ग्राम मांढर की प्राथमिक शाला में पदस्थ हेडमास्टर पन्ना लाल मिर्झा ने तो हद ही कर दी। शिक्षा के मन्दिर कहे जाने वाले विद्यायल को ही अपना अड्डा बना डाला है। जहां रोज शराब पीना और छेड़छाड़ करना। वहीं अभिभावक के साथ ग्रामीण भी परेशान शराबी शिक्षक के खिलाफ ग्रामीण और बच्चे के माता-पिता कई बार शिकायत कर चुके हैं कि शिक्षक शराब पीकर ही स्कूल आता है। जिसकी वजह से स्कूल में बच्चे और अन्य शिक्षक भी परेशान होते हैं।

जांच कराएंगे

मेरी जानकारी में नहीं है, मीडिया के माध्यम से खबर मिली है। जांच करवाता हूं दोषी पाए जाने पर विभागीय कार्यवाही निश्चित रूप से होगी।

एम मिंज, ब्लाक शिक्षा अधिकारी धरसींवा

जल्द होगी गिरफ्तारी

प्रधान पाठक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जांच चल रही है आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

केसरी नंदन नायक, सीएसपी

एलईडी लाइट का वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

ग्राम पौता नवा रायपुर मे लोकसभा चुनाव में बूथ विजय एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता स्वर्गीय ललित शर्मा के पुण्यतिथी के अवसर पर विधायक इन्द्रकुमार साहू एवं सरपंच व भाजयुमो जिला महामंत्री गौरव शर्मा द्वारा ग्रामवासियों को बिजली बचत उद्देश्य से एलईडी बल्ब का वितरण किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री साहू एवं पूर्व कृषि मंत्री चन्द्रशेखर साहू ने स्वर्गीय ललित शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते उनके द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों का स्मरण किया। विधायक श्री साहू ने भाजपा कार्यकर्ताओ को सम्मान करते ग्राम विकास कार्यो को बढ़ाने का वादा किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, महामंत्री भरत बैंस, निमाई विश्वास, विवेक तिवारी, ज्ञानप्रकाश चंद्राकर, झड़ी राम पटेल, कुशल यादव, पिंटु यादव, भूपेश, राजेश, मुकेश, सतीश निषाद, पवन यादव, पवन रात्रे, कमलेश ध्रुव, हीरालाल निषाद, गोकुल यादव, चमन लाल, चंदुलाल, मोहन सिंह सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

चोरों ने एटीएम उखाड़ने का किया प्रयास

तरपोंगी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा तरपोंगी में 5 जुलाई की रात्रि 2:20 बजे के आसपास शाखा परिसर में लगे एटीएम मशीन को अज्ञात चोरों द्वारा उखाड़ने का प्रयास कर रहे थे। तभी खटखट की आवाज से चौकीदार की नींद खुली चौकीदार के जाग जाने के बाद चोर रफू चक्कर हो गए। चोरों ने एटीएम मशीन को तहस- नहस कर दिए हैं। इसकी रिपोर्ट धरसींवा थाना में दर्ज कर दी गई है। पुलिस मौके का मुआयना कर जांच कर रही है।

राज्य सरकार बिजली दर में बढ़ोतरी को वापस ले : बैज

बिजली मामलों में कांग्रेस आज करेगी जिलों में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा सरकार पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही है, ऊपर से बिजली के दामों में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। यह जनता पर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बिजली दर में बढ़ोतरी को राज्य सरकार को वापस लेना चाहिए।

प्रदेश की जनता महंगाई से पीड़ति है, इस दशा में बिजली की दर में बढ़ोतरी करना महंगाई से जख्मी जनता के जख्मों पर नमक छिड़कना है। राज्य सरकार भले ही कहती है कि बिजली के दाम में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, हकीकत में पिछले दो माह से बिजली के बिल दुगुने आ रहे हैं। आम आदमी बिजली के दाम बढ़ने से परेशान है। स्मार्ट मीटर लगाकर उपभोक्ता को लूटने की तैयारी भाजपा सरकार कर रही है। कांग्रेस इसका विरोध करती है। कांग्रेस की सरकार ने विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना शुरू की थी, जिसका लाभ प्रदेश के 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था।

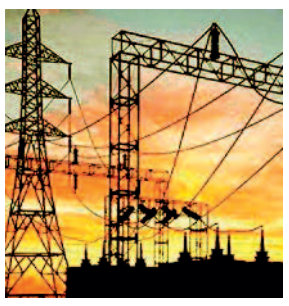

उन्होंने कहा, पिछले 6 माह में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता, जब बिजली दो-चार घंटे के लिए बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति तो और भयावह हो जाती है, घंटों बिजली गुल हो जाती है।

वरिष्ठ नेता होंगे शामिल

कांग्रेस विजली दरों में बढ़ोतरी और बिजली कटौती को लेकर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पूरे प्रदेश में सोमवार को धरना प्रदर्शन करने जा रही है। जिला स्तर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक, पूर्व विधायक और स्थानीय निकायों के अलावा अन्य नेता इसमें भाग लेंगे। प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

आप पार्टी ने रथयात्रा पर्व पर किया प्रदेश में संगठन विस्तार

आरंग। आम आदमी पार्टी नई दिल्ली ने रथयात्र के पावन पर्व पर छत्तीसगढ़ में अपने पार्टी संगठन के महत्वपूर्ण पदों की नियुक्तियां जारी की। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष की कमान साहू समाज के गोपाल साहू को एवं प्रदेश अध्यक्ष एससी विंग की कमान पूर्व विधायक प्रत्याशी परमानंद जांगड़े को सौपी है।

जिस पर संयुक्त रूप से श्री साहू एवं श्री जांगड़े ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, संदीप पाठक राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं सांसद सदस्य राज्यसभा, संजीव झा छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी एवं विधायक दिल्ली, हरदीप मुंडियां सह प्रभारी एवं विधायक पंजाब, गैरी बिरींग सह प्रभारी एवं विधायक पंजाब के प्रति आभार व्यक्त किये है। गोपाल साहू एवं परमानंद जांगड़े ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के आपेक्षा एवं विश्वास पर खरा उतरने की बात कही। उन्होने शीर्ष नेतृत्व एवं पार्टी संगठन सहित क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि हमें पार्टी नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करने का अवसर प्रदान किया है, जिसे पूर्ण निष्ठा से छत्तीसगढ़ के जनमानस देवतुल्य जनता की हक अधिकार की लड़ाई लड़ने एवं पार्टी की सेवा करने की बात कही। गोपाल साहू, परमानंद जांगड़े एवं समस्त नवनियुक्त पदाधिकारीयो को विधानसभा आरंग की ओर से डागेश भारती पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, राजू कुर्रे, दीपक ओगरे, देवेंद्र यादव, विक्की टंडन, भूनेश जांगड़े, उमकान्त वर्मा, जनक राज जोगी, हनुमंत देवागन, केजू जांगड़े, डोमार भारद्वाज, पंचदास साहू, कुशल धीवर, शैलेंद्र कुर्रे, टीकम रात्रे, राकेश जांगड़े, नरेंद्र टंडन, शेखर टंडन, संजय टंडन आदि ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया तथा नवनियुक्त पदाधिकारीयो को बधाई दी।

विधायक कार्यालय का शुभारंभ

अभनपुर। विधानसभा मुख्यालय अभनपुर के कठिया मोड़ स्थित शासकीय निवास में विधायक इन्द्रकुमार साहू ने रथ यात्रा के दिन विधिपुर्वक पूजा अर्चना कर विधायक कार्यालय का शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता विधायक श्री साहू को शुभकामनाएं देने पहुंचे। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने सेवानिवृत्त शिक्षक परमजीत सचदेवा को कार्यालय का प्रभार सौंपते प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार दोपहर 12 बजे से कार्यालय में उपस्थित होकर क्षेत्र की समस्याओं से रूबरू होकर समाधान करने की बात कही।

विधायक इन्द्रकुमार ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते कहा कि क्षेत्र में कार्यालय खोलने की आवयश्कता थी जब तक क्षेत्र की समस्याओं को नहीं सुन पायेंगे तब तक विकास के लिए किया गया परिकल्पना पूर्ण नहीं हो पायेगा। श्री साहू ने कहा कि भले मैं विधायक नया हूं लेकिन 30 साल से कार्यकर्ता के रूप मे आप सभी के बीच कार्य कर रहा हूं। क्षेत्र मे पार्टी के वरिष्ठ चन्द्रशेखर साहू व अशोक बजाज के साथ कार्य किया है गांव- गांव के एक-एक व्यक्ति एवं गांव से परिचित है कार्यकर्ता ही असली पुंजी है। विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं के मेहनत की बदौलत 5 बार के विधायक धनेन्द्र साहू को पटखनी दी है अभी जो चुनाव हुआ चाहे व विधानसभा हो या लोकसभा हो पार्टी कार्यकर्ता के बदौलत ही यह जीत मिली है। कार्यकर्ताओं का सम्मान करना हमारा दायित्व है। जिसके लिए सब बधाई के पात्र है। विधायक श्री साहू ने आश्वासन देते कहा कि आप सभी के भावनाओ के अनुरूप विकास होगा, विकास कार्यो के लिए मै पीछे नही हटूंगा।

वहीं विधायक ने खोरपा मे सिंचाई विभाग के रेस्ट हाउस में रिबन काटकर विधायक जनदर्शन कार्यालय का शुभारंभ किया जहां क्षेत्र की जनता के समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार दोपहर 3 से 5 बजे तक कार्यालय मे उपस्थित रहेगे। इस अवसर पर गोविंद राम साहू, बिहारी साहू,नेहरू लाल साहू, अनुसुईया साहू, रेखा बघेल,रामसिंग साहू, अनिल साहू , प्रकाश नामदेव, लीलाराम साहू,गोयल भट्ट, लोकनाथ साहू, सावित्री पाल, राजेंद्र एनेश्वरी, हरीशचंद साहू, संध्या नामदेव, कृष्णकांत नामदेव, नरोत्तम साहू, बैसाखु साहू, प्रदीप साहू, धमनूपाल, कृष्ण कुंभकार, यशवंत साहू, छबि साहू, रामचरण साहू, महेश सोनवानी सहीत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आत्मानंद विद्यालय में मनाया गया प्रवेशोत्सव

रायखेड़ा विद्यालय में प्रवेश उत्सव पर परोसा गया न्योता भोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

स्वामी आत्मानंद हिंदी व अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय रायखेड़ा में शनिवार को संकुल स्तरीय प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा पुस्तक एवं गणवेश वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत तिल्दा के अध्यक्ष सुमन देवव्रत नायक द्वारा अपने पिता एवं पुत्र के जन्म दिवस के पावन अवसर पर न्योता भोज का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद अध्यक्ष सुमन देवव्रत नायक द्वारा खीर, पूरी, स्वादिष्ट लड्डू, चावल, दाल और सब्जी का वितरण समस्त छात्र-छात्राओं को कराया गया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संकुल प्राचार्य गजेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उक्त कार्यक्रम में राधा देवी नायक, डोगेंद्र नायक पूर्वनगर पालिका अध्यक्ष तिल्दा नेवरा, देवव्रत नायक पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत तिल्दा, संतोष कुर्रे सरपंच प्रतिनिधि रायखेड़ा, मालती शांडिल्य, ओमप्रकाश वर्मा, गणेश राम सेन, मारुति नंदन वर्मा, चन्द्र शेखर नायक, वासुदेव वर्मा, जगमोहन साहू, संकुल समन्वय तुलसीराम साहू, विष्णु प्रसाद वर्मा प्रधान पाठक, तुलाराम वर्मा प्रधानपाठक, ईश्वर दास भारती प्रधानपाठक, यशोदा ध्रुव प्रभारी प्रधानपाठक, जितेंद्र वर्मा , ज्योति कश्यप, निक्की अग्रवाल, स्मृति दबड़घाव,सरिता वर्मा, मोती सिंह ध्रुव, श्रुचि पांडे, नीलम वर्मा, अनु वर्मा, गीतांजलि, दिव्या वर्मा, नितिन अग्रवाल, निर्मला यादव, आस्था शुक्ला, तनु अग्रवाल, सी लीला राव, मनोज गिलहरे, यशवंत वर्मा, खिलेश्वरी वर्मा, टीपी नायक, महेंद्र, चंद्रकला वर्मा, ममता शर्मा, दीपा पटेल, प्रखर दीक्षित, मयंक वर्मा, रूपेश सुषमा सहित काफी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित थे।

तरपोंगी में निकाली गई रथयात्रा

तरपोंगी। ग्राम तरपोंगी में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा की रथयात्रा निकाली गई। रथ राधा कृष्ण मन्दिर से प्रारम्भ होकर बाजार चौक, सांई मन्दिर, राम मन्दिर, बुधवारी बाजार चौक होते हुए गली भ्रमण कर गजा मूंग का प्रसाद वितरण किया गया।

जगन्नाथ मंदिर से निकाली गई रथयात्रा

तिल्दा नेवरा। नेवरा स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा दोपहर को निकाली गई। यह रथ यात्रा नेवरा के प्रमुख मार्गो से होते हुए सिंधी कैम्प, स्टेशन चौक तिल्दा से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक होते हुए हाईस्कूल मार्ग से नेवरा पहुंची। नेवरा के प्रमुख मार्गो से होते हुए रथ वापस मंदिर पहुंची। इस बीच नेवरा में शाम को मंत्री टंकराम वर्मा भी उपस्थित हुए। उन्होंने भगवान की पूजा अर्चना किए। बता दें कि वर्षो से यह रथयात्रा तिल्दा नेवरा में एसएस परिवार के द्वारा निकाली जाती है। रथ में भगवान जगन्नाथ, माता सुभद्रा एवं बलभद्र विराजमान थे। एसएस परिवार सहित गणमान्यजन द्वारा रथ को हाथों से सहारा देकर खींचा गया। भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

चकल्लस

शराबबंदी की यहां जरूरत

शहर में स्थित एक शासकीय दफ्तर के पीछे वाहन रखने और उनके चालकों के बैठने की व्यवस्था है। यहां पर स्टोर और अन्य काम के लिए कमरे बने हुए हैं। यहां पर आफिस टाइम के समय शौकीन वाहन चालक जाम लड़ाते देखे जा सकते हैं। यह जगह ऐसी है, जहां बड़े अफसर कभी नहीं जाते, ऐसे में वाहन चालक इसका पूरा फायदा उठाते हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब महिला कर्मी, जो यहां पर अपना वाहन रखकर जाती हैं, छुट्टी के समय यहां अकेले नहीं आतीं। उनका कहना है कि एक-दो को छोड़कर सभी वाहन चालक जाम का शौक फरमाते हैं, यहां तो शराबबंदी होनी ही चाहिए।

अब ढूंढ रहे नया ठिकाना

राजनीति में गुटबाजी का अहम रोल होता है। एक ही दल में कई गुट होने से एक-दूसरे को आजमाने का मौका मिलता है। अगर सरकार में रहे तो जो गुट प्रभावी होता है, उसका ही पलड़ा भारी होता है। ऐसे में सभी गुट को साधने नए पैंतरे आजमाए जाते हैं। यही हाल यहां पर विपक्ष के नेताओं का है। यहां खराब प्रदर्शन का ठीकरा एक-दूसरे पर फूटने के बाद संगठन इन सभी गुटों को एक छतरी नीचे लाने के प्रयास में लगा है। संगठन अब सभी गुटों के लोगों को मिलकर काम करने की दुहाई दे रहा है। ऐसे लोग जो कभी दूसरे गुट से लाभ ले चुके हैं, वो अब कैसे अपने गुट से अलग हों, इसके लिए बहाना ढूंढ रहे हैं।

छह माह तक डंडा-झंडा...

शहर सरकार की सत्ता की कुर्सी संभालने वाले अब 6 महीने तक डंडा-झंडा लेकर सड़क पर हल्ला-गुल्ला मचाएंगे। इसके लिए बाकायदा प्लान तैयार है। मेंबरों से कहा गया है कि विकास कार्य की दुहाई देना छोड़ अब अपोजिशन की बैंड बजाने तैयार रहे। इसके लिए हेड आफिस से कभी भी बुलावा भेज सकते हैं। सो इत्तला मिलते ही अपने-अपने इलाके के पब्लिक के साथ पहुंचना होगा। मेंबर इलेक्शन में टिकट चाहिए तो शक्ति प्रदर्शन का जज्बा दिखाइए। नेताजी के इस फरमान से पार्टी के कई सीनियर मेंबर खफा हैं, बेचारे दबी जुबान कहते फिर रहे हैं, गली-मोहल्लों का काम कराने के समय डंडा-झंडा, ये क्या बात हुई?

समझकर मुझे भी समझा देना...

मुन्नाभाई एमबीबीएस फिल्म देखी है आपने? एक सीन याद होगा, जिसमें मुन्नाभाई कक्षा में बैठे अपने दोस्त से कहता है कि तू समझकर मुझे भी समझा देना। बस... यही हाल प्रदेश के प्रोफेसर्स का हो गया है। क्या है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में ऐसे-ऐसे दांव-पेंच हैं कि प्रोफेसर्स खुद भी समझ नहीं पा रहे हैं। जब-जब इस संदर्भ में बैठक होती है बेचारे बेमन से चल आते हैं और सिर पकड़कर बैठ जाते हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी भी हैरान-परेशान से जहां-तहां घूम रहे हैं। नया सिलेबस आया तो उसमें नया क्या है, यह ही समझ नहीं आया।

मिर्जापुर-3 लाइव, एकदम मुफ्त

बीते सप्ताह एनएसयूआई में सर्कुलर जारी हुआ। अरे, वही वाला... कि अब बड़े साहब से पूछे बगैर धरना-प्रदर्शन नहीं होंगे। वैसे अंदर की बात यह है कि यह आदेश एक निजी स्कूल के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन सीरीज के बाद जारी किया गया है। अब तो मान ही गए होंगे कि स्कूल वाले की पहुंच कहां तक है। वैसे एक और बात... इस आदेश से छुटभैये नेताओं में खासी नाराजगी है। हर जिले में अपने-अपने गुट है। जहां सेटिंग है वहां ठीक है, लेकिर दूसरी जगहों में कौन जाए दूसरे गुट वालों से अनुमति लेने? मिर्जापुर-3 आप जब देखेंगे, तब देखेंगे, उससे पहले आपको यहां गद्दी की लड़ाई दिख जाएगी। वो भी लाइव और वो भी मुफ्त।

तबादले का डर

प्रदेश में सरकार बदलने के बाद अब तबादलों का दौर भी चल रहा है। पिछली सरकार में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी में बीते पांच साल के राजधानी रायपुर के साथ कई स्थानों पर अधिकारी जमे हुए हैं। अब सरकार बदलने के बाद इनको तबादला होने का डर सताने लगा है। खबरी बता रहा था, जो कई सालों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं, वो इस जुगाड़ में हैं कि उनका तबादला न हो और जहां पर हैं, वहीं जमे रहें, लेकिन ऐसा होने की संभावना कम है, क्योंकि जो अधिकारी लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं, उनकी थोक में शिकायत ऊपर तक पहुंच गई है। ऐसे अधिकारियों का तबादला होना तय माना जा रहा है।

तारीख पर तारीख...

स्वास्थ्य विभाग के गले की हड्डी बन चुकी आंबेडकर अस्पताल के कैंसर विभाग की पैट सीटी मशीन शुरू करने का शुभ मुहूर्त नहीं निकल पा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अस्पताल के पहले निरीक्षण के दौरान इसे शुरू करने के लिए तीन माह का अल्टीमेटम दिया गया था, मगर मामले प्रशासकीय अनुमति पर लटक गया। इसके बाद दूसरे और तीसरे निरीक्षण के दौरान भी दस-दस दिन की मोहलत दी गई, मगर आदेश अब तक कार्य रूप में नहीं आ पाया है और मरीजों को अपनी जांच के लिए पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। चर्चा ये भी है कि इस मशीन को शुरू करने की जांच की आंच एक पुराने आईएएस अफसर तक पहुंच रही है, जिसकी वजह से मामला ठंडे बस्ते में डाला जा रहा है।

जांच की औपचारिकता

बरसों से ठेले-खोमचे और दुकानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की क्वालिटी को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम जागी है। लोगों के गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के नाम पर दुकानों छापेमारी की जा रही है। जांच के दौरान घटिया और बासी खाद्य पदार्थ भी मिल रहे हैं, जिनके सैंपल लेकर टेस्टिंग के लिए लैब भेजा जा रहा है। बस...इतनी कार्यवाही के बाद विभागीय अमला शांत हो जा रहा है, क्योंकि लैब में टेस्टिंग के बाद आने वाली रिपोर्ट की अवधि इतनी लंबी है कि कार्यवाही औपचारिकता बनकर रह जाती है और मामले का हल लेन-देन तक जाकर सिमट जाता है।

अतिथि का भोजन मद

नेताओं की संगत में हमेशा रहने वाले अफसर भी कब राजनीति के गुण सीख जाते हैं, उन्हें पता ही नहीं लगता। अभी तहसीलों में काम करने वाले अफसरों के संगठन ने नेताओं के खिलाफ तगड़ा सियासी दांव खेल दिया है। दरअसल होता ये है कि जब नेता किसी क्षेत्र में पहुंचते हैं तो इन्हीं अफसरों को नेताजी के भोजन-पानी की व्यवस्था अपने जुगाड़ से करनी होती है। वे खामोशी से ये काम करते रहते हैं, लेकिन अब इन अफसरों के संगठन ने एक आंदोलन छेड़ा है। इस आंदोलन में कहा गया है कि अतिथियों के भोजन में सहभागिता तभी होगी, जब आदेश में स्पष्ट लिखा होगा कि इसका खर्चा किस मद से किया जाएगा। अफसर भी जानते हैं कि ये मुद्दा प्रशासन और नेताओं पर भारी पड़ने वाला है।

सूखे में भी झड़ी...

सियासत में कब किसी पार्टी के पक्ष में वोटों की बरसात शुरू हो जाए और कब समर्थन का सूखा पड़ने लग जाए, कोई नहीं जानता। इस समय ऐसा आम आदमी पार्टी के साथ हो रहा है। इस पार्टी ने दिल्ली-पंजाब में भले ही जीत हासिल कर ली हो, लेकिन छत्तीसगढ़ में कोई कमाल नहीं दिखा पाई। विधानसभा चुनाव में इस पार्टी को गिनती के वोट मिले। लोकसभा आने के पहले एक प्रदेश अध्यक्ष सहित कई नेता कार्यकर्ता दलबदल कर गए। अब पार्टी के पास नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक का टोटा है। इसके बावजूद बचे नेताओं ने पार्टी के प्रदेश प्रभारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अब वे दावा कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में कई लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं-नेताओं के इस्तीफे की झड़ी लगने वाली है।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला
प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा

मध्यप्रदेश के बाद अब जल्द छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल का विस्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार सोमवार को हो रहा है। इसी के साथ अब छत्तीसगढ़ में भी साय मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द होने के आसार हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक बार फिर से रविवार को कहा है, मप्र में विस्तार हो रहा है, यहां भी जल्द होगा। इससे स्पष्ट है कि 22 जुलाई को मानसून सत्र प्रारंभ होने से पहले ही साय मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बनाए गए और उसके मंत्रिमंडल में एक पद को छोड़कर बाकी मंत्री बने। इस बीच लोकसभा चुनाव में रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल बन गए। सांसद बनने के बाद उन्होंने प्रदेश के मंत्री और विधायक के पद से इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में अब साय मंत्रिमंडल में मंत्रियों के दो पद खाली हो गए हैं। इन खाली पदों पर नियुक्ति को लेकर काफी समय से कवायद और चर्चा चल रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय दो बार दिल्ली का दौरा कर चुके हैं। उनके पहले दौरे में जहां मंत्रियों के नामों को लेकर चर्चा रही कि वे दिल्ली में राष्ट्रीय संगठन के नेताओं से मुलाकात करके मंत्रियों के नाम तय करेंगे, लेकिन इस दौरे में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हुई। इसके बाद फिर से उनका दिल्ली दौरा हुआ तो यह तय माना जा रहा था कि अब तो मंत्रियों के नाम तय हो जाएंगे, लेकिन इस दौरे के मायने अलग थे। हरिभूमि ने ही इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया कि अभी मंत्रिमंडल के विस्तार पर दिल्ली में चर्चा नहीं होगी और श्री साय का यह दौरा प्रदेश के भाजपा सांसदों के साथ संसदीय बोर्ड की बैठक के लिए है। श्री साय ने दिल्ली से वापस लौटने पर यह बात स्वीकार भी की कि यह दौरा भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक के लिए था।

मानसून सत्र से पहले साय सरकार में बनेंगे दो नए मंत्री

अब विस्तार के लिए ज्यादा इंतजार नहीं

साय मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए अब ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मप्र में डॉ. मोहन यादव कैबिनेट का विस्तार सोमवार को हो रहा है। इस विस्तार के बाद अब छत्तीसगढ़ में भी साय मंत्रिमंडल के विस्तार की कवायद तेज हो गई है। संभावना है कि मानसून सत्र के पहले कभी भी साय मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा। मंत्रियों के दो पदों के लिए थोक में कई दावेदार हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व ही तय करेगा कि किनको मंत्री बनाना है।

मुख्यमंत्री पंचायत सचिव संघ के सम्मान समारोह में हुए शामिल

मुख्यमंत्री की बड़ी घोषणा- पंचायत सचिव के शासकीयकरण की मांग पर बनेगी कमेटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, सरकार पंचायत सचिवों के हितों का पूरा ध्यान रखती है। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों की अपेक्षाओं को पूरा किया गया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि प्रदेश पंचायत सचिव संघ द्वारा शासकीयकरण की मांग को पूरा किया जाएगा और इसके क्रियान्वयन के लिए कमेटी का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा पर संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का आभार गजमाला से किया।

राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में रविवार को पंचायत सचिव दिवस के अवसर पर प्रदेश पंचायत सचिव संघ छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कहा, उन्होंने स्वयं भी 5 साल पंच और निर्विरोध सरपंच रहकर जनता की सेवा की है। देश का विकास पंचायतों में निहित है और केंद्र या राज्य सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही होता है। सरपंच और सचिव के हाथों में ग्राम के विकास की चाबी होती है। मुख्यमंत्री ने पंचायत सचिवों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा, सभी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सचिवों के माध्यम से ही होता है। उन्होंने सचिवों की प्रशंसा करते हुए उनसे और भी अच्छा कार्य करने का संकल्प लेने की अपील की।

सचिवों के एरियर्स और हड़ताल अवधि का भुगतान

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी इस दौरान संबोधित किया और छोटी सी अवधि में ही मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा अनेक घोषणाओं को पूरा करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने पंचायत सचिवों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, पंचायत से लेकर संसद तक कार्य करने का अनुभव मुख्यमंत्री के पास है। उपमुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार बनते ही मोदीजी की गारंटी को पूरा करने का काम सरकार ने किया है। उन्होंने कहा, पंचायत सचिवों के माध्यम से ही सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन होता है और सरकार की छवि बनती है। सरकार बनते ही पंचायत सचिवों के एरियर्स की राशि का भुगतान किया गया और हड़ताल अवधि के 55 दिनों की राशि का भी भुगतान किया गया।

राज्य सरकार बिजली दर में बढ़ोतरी को वापस ले : बैज

बिजली मामलों में कांग्रेस आज करेगी जिलों में प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा सरकार पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही है, ऊपर से बिजली के दामों में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। यह जनता पर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, बिजली दर में बढ़ोतरी को राज्य सरकार को वापस लेना चाहिए।

प्रदेश की जनता महंगाई से पीड़ित है, इस दशा में बिजली की दर में बढ़ोतरी करना महंगाई से जख्मी जनता के जख्मों पर नमक छिड़कना है। राज्य सरकार भले ही कहती है कि बिजली के दाम में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, हकीकत में पिछले दो माह से बिजली के बिल दुगुने आ रहे हैं। आम आदमी बिजली के दाम बढ़ने से परेशान है। स्मार्ट मीटर लगाकर उपभोक्ता को लूटने की तैयारी भाजपा सरकार कर रही है। कांग्रेस इसका विरोध करती है। कांग्रेस की सरकार ने विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना शुरू की थी, जिसका लाभ प्रदेश के 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था। उन्होंने कहा, पिछले 6 माह में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता, जब बिजली दो-चार घंटे के लिए बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति तो और भयावह हो जाती है, घंटों बिजली गुल हो जाती है।

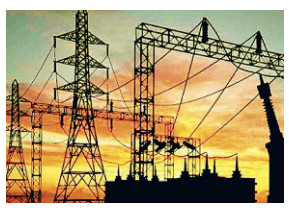

वरिष्ठ नेता होंगे शामिल

कांग्रेस विजली दरों में बढ़ोतरी और बिजली कटौती को लेकर जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पूरे प्रदेश में सोमवार को धरना प्रदर्शन करने जा रही है। जिला स्तर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता, विधायक, पूर्व विधायक और स्थानीय निकायों के अलावा अन्य नेता इसमें भाग लेंगे। प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने आज स्वर्णप्राशन

रायपुर। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने 8 जुलाई को रायपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है। चिकित्सालय के कौमारभृत्य बाल रोग विभाग में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक इसका सेवन कराया जाता है।

डिप्टी सीएम शर्मा बोले- शहीद पुलिस सेल का जल्द होगा गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने राज्य के पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता से निर्णय लेते हुए शहीद पुलिस सेल के गठन के निर्देश दिए हैं। इस पहल का उद्देश्य शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करना है।

विदित हो कि कुछ दिनों पूर्व शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन अपनी समस्याओं को लेकर उप मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा से मिले थे और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया था, तब विजय शर्मा ने उन्हें आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री से चर्चा कर उनकी समस्याओं के निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। श्री शर्मा ने बताया, प्रत्येक रेंज पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय में शहीद पुलिस सेल का गठन किया जा रहा है। इस सेल का मुख्य उद्देश्य शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों की समस्याओं का निराकरण करना है। सेल में रेंज पुलिस महानिरीक्षक अध्यक्ष होंगे, वही रेंज मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रेंज पुलिस महानिरीक्षक द्वारा नामांकित उप पुलिस अधीक्षक व निरीक्षक स्तर के अधिकारी सदस्य होंगे। शहीद पुलिस सेल द्वारा शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय बुधवार को इकाई स्तर, रेंज स्तर, तथा पुलिस मुख्यालय स्तर पर बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में परिजनों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा और निराकरण के प्रयास किए जाएंगे। बैठक के दौरान, परिजनों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर भी मिलेगा। बैठक के अतिरिक्त, प्रत्येक बुधवार को शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों के लिए अलग से समय निर्धारित किया गया है, ताकि वे अपने मुद्दों को पेश कर सकें। इसके लिए आवश्यकतानुसार व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं, जिससे शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित हो सकें।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने किया पौधारोपण

रायपुर। नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और रमण मंदिर वार्ड पार्षद सूर्यकांत राठौर ने रविवार को वार्ड के चूनाभट्ठी डबरापारा रामायण मैदान में कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ पौधारोपण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आव्हान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उन्होंने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने शपथ ली कि पौधे की सुरक्षा कर उसे वृक्ष का स्वरूप दिलाने तक देखरेख करेंगे। पौधारोपण कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष सूर्यकांत राठौर, विष्णु नामदेव, संजय शर्मा, धनेश साहू, केदार यादव, बृजेश राउत, ललिता यादव, शंभू गुप्ता, उमेंद्र वर्मा, संतोष सोनकर, श्रवण यदु, मितानिन सरोज यदु, विद्या साहू, पार्वती सिन्हा, सुदामा यादव, नरेंद्र बिसेन सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस से कुछ वर्ष पूर्व ही आम आदमी पार्टी में किया था प्रवेश

गोपाल 'आप' के नए प्रदेशाध्यक्ष विरोध में धड़ाधड़ इस्तीफे दे रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कांग्रेस से आम आदमी पार्टी में आए गोपाल साहू को आप का नया प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वर्षों से संघर्षरत कार्यकर्ताओं के स्थान पर दूसरी पार्टी से आए कार्यकर्ता को पद दिए जाने का विरोध भी शुरू हो गया है। गोपाल साहू को प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के साथ ही प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम जायसवाल और बीते विधानसभा चुनाव में रायपुर उत्तर से प्रत्याशी रहे विजय गुरुबक्षाणी ने इस्तीफा दे दिया है। उनके समर्थन में थोक में समर्थकों द्वारा इस्तीफा दिया गया है। कुछ अन्य कार्यकर्ताओं की सोमवार को इस्तीफे की आशंका है।

गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कोमल हुपेंडी के भाजपा प्रवेश के बाद से यह पद रिक्त था। लोकसभा चुनाव के बाद अब आप द्वारा नई कार्यकारिणी गठित की गई है। जारी अधिसूचना के मुताबिक, पार्टी के कोषाध्यक्ष जसबीर सिंह को संगठन प्रदेश महासचिव बनाया गया है। उनके साथ वदूद आलम को भी प्रदेश महासचिव बनाया गया है। सूरज उपाध्याय प्रदेश मुख्य प्रवक्ता और रायपुर जिला अध्यक्ष नंदन सिंह को प्रदेश कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

छग प्रभारी पर भेदभाव का आरोप

नई कार्यकारिणी घोषित होने के साथ ही उत्तम जायसवाल ने इस्तीफा सौंपकर अपना बयान जारी किया। उन्होंने बुराड़ी विधायक व छत्तीसगढ़ प्रभारी संजीव झा पर छत्तीसगढ़ के लोगों के साथ अच्छा नहीं करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, बारह से तेरह वर्ष तक पार्टी संग संघर्ष किया। कुछ वर्षों से मैं बहुत कोशिश कर रहा था कि व्यवस्था सुधरे, लेकिन केवल कुछ चुनिंदा लोगो को ही सारा अधिकार दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं की भावनाओ के साथ खेलना शुरू किया। जो लोग पार्टी के लिए झंडा उठाकर हमेशा खड़े रहते हैं, उन्हें टिकट देना तो दूर, उनसे राय भी नहीं ली जाती है।

स्थाई अध्यक्ष के चुनाव से पहले सभी राज्यों में प्रदेश संगठन के चुनाव होंगे

प्रदेश भाजपा संगठन में मंडल स्तर से होगा बदलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकसभा चुनाव निपटने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय संगठन से लेकर राज्यों के संगठनों में चुनाव होंगे। ऐसे में प्रदेश भाजपा संगठन में मंडल स्तर से बदलाव होगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 20 जून को समाप्त हो गया है। वैसे भी उनको मोदी कैबिनेट में लिया गया है। उनके स्थान पर फिलहाल तो किसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाएगा। इसके बाद स्थाई अध्यक्ष के चुनाव से पहले सभी राज्यों में प्रदेश संगठन के चुनाव होंगे। छत्तीसगढ़ में भी मंडल स्तर से चुनाव की प्रक्रिया पूरी करके प्रदेश संगठन के चुनाव कराए जाएंगे। 10 जुलाई को राजधानी रायपुर में होने वाली प्रदेश कार्यसमिति में प्रदेश संगठन के चुनाव को लेकर फैसला होगा। इसमें तय होगा कि किस स्तर के चुनाव कब से प्रारंभ होंगे।

> ■ 10 जुलाई को कार्यसमिति में तय होगा, चुनाव की प्रक्रिया कब से प्रारंभ होगी

बीते साल छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अरुण साव के डिप्टी सीएम बनने के बाद उनके स्थान पर प्रदेशाध्यक्ष का जिम्मा विधायक किरण देव को दिया गया। इसी के साथ प्रदेश संगठन के तीनों महामंत्री केदार कश्यप, ओपी चौधरी, विजय शर्मा के चुनाव जीतने के कारण उनके स्थान पर नए महामंत्री बनाए गए। किरण देव की कार्यकारिणी में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। लोकसभा चुनाव के बाद आगे कार्यकारिणी में बदलाव की बात की गई थी, लेकिन फिलहाल किसी तरह के बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं, क्योंकि अब भाजपा के नए राष्ट्रीय का चुनाव होना है। इस चुनाव के तय होने के साथ ही सभी राज्यों में भी चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

मंडल स्तर से होने हैं चुनाव

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले प्रदेश संगठन में मंडल स्तर से चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। मंडल अध्यक्षों के चुनाव के बाद जिला अध्यक्षों के चुनाव होंगे। संभावना है कि मंडलों के साथ जिलाध्यक्षों में बड़े बदलाव होंगे। इसी के साथ प्रदेश स्तर पर जरूर कार्यकारिणी में कुछ बदलाव होंगे। प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ही रहेंगे या फिर किसी और को बनाया जाएगा, यह भी देखने वाली बात होगी। अगर किरण देव को साय मंत्रिमंडल में स्थान मिल गया तो फिर प्रदेशाध्यक्ष का बदला जाना तय है। पूरी प्रक्रिया का प्रारंभ कब से होगा, इसका फैसला प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में 10 जुलाई को होगा। इस बैठक में पहली बार मंडल अध्यक्षों को भी बुलाया गया है। पहली बार बड़ी कार्यसमिति हो रही है। इसमें प्रदेश संगठन के चुनाव के साथ ही नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव पर भी मंथन होगा।

किसान संघर्ष समिति की बैठक सीएम से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पेंड्रावन जलाशय बचाओ किसान संघर्ष समिति की बैठक रविवार को हुई। इस दौरान उच्च न्यायालय के आदेश पर जलाशय पर आए पुनः संकट के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में 115 वर्ष पुराने, सिंचाई और निस्तार के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने वाले जलाशय के संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता जताई। इस मौके पर धरसींवा विधायक अनुज शर्मा और पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल ने कहा कि पूर्व में भी सरकार ने किसानों के हितों को देखते हुए जलाशय के कैचमेंट में खनन परियोजना को रोका है। इस बार भी सरकार व्यापक किसानहित में निर्णय लेगी। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि किसान संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही समय लेकर मुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री से मुलाकात कर जलाशय के संरक्षण की मांग करेगा। संघर्ष समिति के साथी आलोक शुक्ला को पर्यावरण के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर श्रीफल और शॉल से सम्मान किया गया। बैठक में कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष उधोराम वर्मा, अनिल नायक, घनश्याम वर्मा, आलोक शुक्ला, ललित बघेल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के ग्रामीण, किसान शामिल हुए।

खबर संक्षेप

वरिष्ठ शिक्षक देवांगन को दी विदाई

रायपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमलीडीह में अपनी लंबी सेवाएं देने के बाद वरिष्ठ व्याख्याता गजानन देवांगन सेवानिवृत्त हो गए। उनका विदाई समारोह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने स्कूल परिसर में रविवार को रखा। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य नितिन कुमार तलोकर ने अपने संबोधन में कहा कि देवांगन सर के अनुशासन और अध्ययन की कार्यशैली को यह विद्यालय हमेशा याद रखेगा। सभी शिक्षकों ने अपनी तरफ से खूबसूरत उपहार देकर उन्हें भावभीनी विदाई दी और उनके कार्यों का अनुसरण इस विद्यालय के सभी शिक्षक करेंगे, यह शपथ भी ली गई। इस अवसर पर सुषमा कोसरिया, वंदना साहू, यू. देवांगन, कामना उपाध्याय, योगिता नरवरे, दिनेश साहू, श्वेता भदौरिया, नारायण लाल साहू, दिव्या शर्मा और अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

एफ-95 फिजियोथेरेपी टीम ने लगाया निशुल्क शिविर

रायपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए एफ-95 एडवांस फिजियोथेरेपी एंड रिसर्च सेंटर ने हाल ही में रायपुर में एंबिएंस सोसाइटी में एक मुफ्त फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में निवासियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई, जिसमें समाज के दो-तिहाई से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रमुख फिजियोथेरेपिस्टों में से एक डॉ. संस्कृति मिश्रा ने कहा, एफ-95 के विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्टों की टीम, जो अपने व्यापक अनुभव और उच्च तकनीक वाले उपकरणों के उपयोग के लिए जानी जाती है, ने मांसपेशियों की ताकत, संतुलन और मुद्रा का गहन मूल्यांकन किया। निवासियों को व्यायाम, सही मुद्रा, हाइड्रेशन, पोषण और आवश्यक जीवनशैली में संशोधन पर व्यक्तिगत सलाह प्रदान की गई थी। एफ-95 के मुख्य संचालन अधिकारी डॉ. सौमित्र ने कहा, हम इसी तरह के शिविरों की मेजबानी करने के लिए अन्य समाजों और संगठनों के साथ सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

निधन

इंदर शर्मा

रायपुर। तेलीबांधा निवासी इंदर शर्मा का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 6 जुलाई को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे नीरज शर्मा और प्रदीप शर्मा के पिता थे।

पोनम्मा वर्गीस

रायपुर। साहनी विहार निवासी

पोनम्मा वर्गीस का 7 जुलाई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 जुलाई दोपहर 12.30 बजे ईसाई मुक्तिधाम हीरापुर जरवाय में किया जाएगा। वे लवली वर्गीस, लेसली वर्गीस, राजू वर्गीस, लिबी वर्गीस, लिसी जॉन की माता थीं।

विमला देवी कानूगा

रायपुर। बूढ़ापारा निवासी विमला

देवी कानूगा का 7 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 8 जुलाई को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे अमीचंद की भाभी, सुरेशचंद कानूगा, प्रवीण कानूगा की माता थीं।

आज जारी होगी दूसरी मेरिट लिस्ट, अगस्त में दाखिले इस बार नहीं, ऐसा पहली बार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में दाखिले के लिए दूसरी सूची आज जारी की जाएगी। इसके पूर्व महाविद्यालयों द्वारा प्रवेश के लिए पहली मेरिट लिस्ट 25 जून को जारी की गई थी। इसमें जिन छात्रों के नाम आए थे, उन्हें 8 जुलाई तक का समय प्रवेश दिया गया था। प्रथम सूची में जिन छात्रों के नाम थे, उनमें से 20 से 30 प्रतिशत छात्रों ने ही प्रवेश लिए हैं। कुछ महाविद्यालयों में यह आंकड़ा 40 फीसदी तक पहुंच गया है, लेकिन अधिकतर महाविद्यालयों में अब भी 50 प्रतिशत से अधिक सीटें रिक्त हैं। इन रिक्त सीटों पर प्रवेश दूसरे चरण के लिए जारी मेरिट लिस्ट के आधार पर होंगे।

दूसरे चरण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों को आवेदनकर्ता छात्रों की सूची आज सौंपी जाएगी। इस सूची के आधार पर कुछ महाविद्यालय आज मेरिट लिस्ट जारी करेंगे, जबकि कुछ महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा 9 जुलाई को मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। जिन छात्रों के नाम द्वितीय मेरिट लिस्ट में होंगे, उन्हें 9 से 18 जुलाई तक का समय प्रवेश के लिए मिलेगा।

अलग खबर

प्रथम सूची में जिन छात्रों के नाम, उनमें से 20-30 फीसदी ने ही लिया है प्रवेश

तीसरी और अंतिम सूची 18 को

महाविद्यालयों द्वारा तीसरी और अंतिम सूची 18 व 19 जुलाई को निकाली जाएगी। तीसरी सूची में जिन छात्रों के नाम होंगे, उन्हें जुलाई अंत तक का समय दिया जाएगा। गौरतलब है कि इस बार महाविद्यालयों में प्रवेश जुलाई अंत तक ही दिया जाएगा। इसके पूर्व 14 अगस्त तक कुलपति की विशेष अनुमति से प्रवेश देने निर्देश दिए गए थे, लेकिन बाद में इस आदेश में संशोधन करते हुए 30 जुलाई तक प्रवेश पूर्ण करने निर्देश दिए गए हैं। शिक्षाविदों के अनुसार, बीते एक दशक में ऐसा पहली बार हो रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत नवंबर-दिसंबर में होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं को देखते हुए इस बार प्रवेश प्रक्रिया जल्द पूर्ण की जा रही है।

घट सकते हैं कटऑफ

प्रथम लिस्ट जारी होने के बाद अधिकतर महाविद्यालयों में 50 प्रतिशत से अधिक सीटें रिक्त हैं। ऐसे में सभी महाविद्यालयों में कटऑफ घट सकते हैं। साइंस, डिग्री गर्ल्स व छत्तीसगढ़ महाविद्यालय सहित कई कॉलेजों में प्रथम चरण के कटऑफ 80 से 90 प्रतिशत के बीच गए थे। दूसरे चरण में 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सीट मिलने की संभावना है।

पॉवर कंपनी के प्रारंभिक परीक्षण में स्मार्ट मीटरों के सही होने के दावा

स्मार्ट मीटर शुरुआती परीक्षण में पास, दस के आंकड़े मिले, दर्ज हुआ मामूली अंतर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के साथ प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। रायपुर संभाग में टाटा कंपनी स्मार्ट मीटर लगा रही है। उपभोक्ताओं की संतुष्टि के लिए पांच फीसदी उपभोक्ताओं के यहां पुराने के साथ नए मीटर लगाने हैं। राजधानी रायपुर में पुराने के साथ कई उपभोक्ताओं के यहां ऐसा किया गया है। पॉवर कंपनी ने इसके बाद पुराने और नए मीटरों का परीक्षण कराने का काम 4 जुलाई को किया है। इसमें दो दिनों से लेकर 25 दिनों तक की खपत को देखा गया है। ऐसे में एक सप्ताह से 15 दिनों के अंदर के जो आंकड़े सामने आ रहे हैं, उसमें नए मीटरों में खपत आधे से एक यूनिट तक कम दर्ज की गई है। कुछ उपभोक्ताओं की खपत में मामूली बढ़त भी है, लेकिन यह बढ़त आधे यूनिट से कम है। पॉवर कंपनी का दावा है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह से फिट हैं। हालांकि यह प्रारंभिक परीक्षण ही है। आने वाले समय में जब उपभोक्ताओं के बिल आएंगे तो जानकारी सामने आएगी कि उनका बिल पहले से कम है या ज्यादा आ रहा है।

राजधानी रायपुर के डीडीनगर, सिविल लाइंस, कचना सहित कई क्षेत्रों स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। यह काम अभी तो धीमी गति से चल रहा है, पर आने वाले समय में इसकी रफ्तार बढ़ेगी। पॉवर कंपनी ने जिन उपभोक्ताओं के घरों पर पुराने के साथ नए मीटर भी लगाए हैं, उनमें से 10 उपभोक्ताओं का डाटा हरिभूमि को उपलब्ध कराया है। इस डाटा के मुताबिक स्मार्ट मीटर ठीक काम कर रहे हैं।

हरिभूमि सरोकार

डीडीनगर में मीटरों का परीक्षण

डीडीनगर में सत्तार मोहम्मद के घर पर 14 जून को लगे मीटर में 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 104.50 और नए मीटर में 104.53 यूनिट बिजली की खपत दर्ज हुई है। डीडीनगर के अन्य उपभोक्ताओं में राजेंद्र चौधरी के यहां 12 जून से 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 356.90 और नए मीटर में 356.26 यूनिट की खपत दर्ज हुई है। इसी तरह से ओमप्रकाश चंद्राकर के यहां 18 जून से 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 104.70 और नए मीटर में 103.59 यूनिट, त्रिलोक पांडेय के यहां 22 जून से 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 56.30 और नए मीटर में 56.29 खपत दर्ज की गई है।

परीक्षण में खरे उतरे स्मार्ट मीटर

स्मार्ट मीटर का देश के सबसे बड़े लैब भोपाल में परीक्षण कराया गया है। उपभोक्ताओं के यहां पुराने के साथ जो नए मीटर लगाए गए हैं, उसका भी परीक्षण कराया गया है। इसमें मीटर खरे उतर रहे हैं।

- राजेंद्र प्रसाद, सीई, स्मार्ट मीटर योजना, पॉवर कंपनी

सिविल लाइंस में परीक्षण का परिणाम

सिविल लाइंस निवासी धनीराम के घर पर 27 जून को पुराने के साथ नया मीटर लगाया गया है। इनके यहां 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 40.20 यूनिट की खपत हुई, जबकि नए मीटर में खपत 40.29 यूनिट दर्ज की गई है। इसी तरह से सिविल लाइंस के उपभोक्ता हेम सिंह साहू के यहां 2 जुलाई को मीटर लगाया गया। यहां पर दो दिनों में पुराने में मीटर में 21 यूनिट और नए मीटर में 20.68 यूनिट की खपत हुई। इसी तरह से इस क्षेत्र में दिनेश कुमार गुप्ता के यहां 25 जून को लगे मीटर में 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 44.70 और नए मीटर में 44.57 यूनिट की खपत दर्ज हुई है। एक और उपभोक्ता श्यामा बाई मसीह के घर पर 29 जून से 4 जुलाई के बीच में पुराने मीटर में 146.31 और नए मीटर में 146.30 यूनिट की खपत दर्ज की गई है। कचना में पीयूष कुमार साहू के निवास में 1 जुलाई से 4 जुलाई तक पुराने मीटर में 21.00 और नए मीटर में 20.63 यूनिट खपत दर्ज की गई है।

मराठा युवा समाज ने रोपे औषधीय पौधे

रायपुर। मराठा युवा समाज द्वारा कबीर नगर पुलिस थाना प्रांगण में रविवार को औषधीय पौधों का रोपण किया गया। साथ ही समाज के सदस्यों ने उनकी रक्षा करने का प्रण लिया। इसमें मराठा युवा समाज, महाराष्ट्र मंडल, कबीर नगर थाने के पुलिसकर्मी, कबीर नगर के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस मौके पर मराठा युवा समाज अध्यक्ष लोकेश पवार ने बताया कि युवा समाज ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें राज्याभिषेक वर्ष में 351 औषधीय पौधे लगाने का प्रण किया है, जिसके तहत हम पर्यावरण की खुशहाली के लिए पौधे भी लगाएंगे और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाएंगे। कार्यक्रम में मराठा युवा समाज के महासचिव मनीष भोंसले, गणेशा जाधव, सचिव संजू राव, रविकांत शिंदे, अभय भागवतकर, प्रमुख वैभव बर्वे, महिला प्रमुख अनघा करकशे, लक्ष्मीकांत चौधरी, दिनकर करकशे, अखिलेश जोशी, पल्लवी जोशी, एस. किशोर कुमार, आदित्य परहाड, डॉ. मनमोहन सिंह, रविंद्र सिंह, प्रदीप शुक्ला, कृष्णकांत पांडे, सिरमौर साहू, शशांक मिश्रा, गौरांग पाण्डेय, राम और अन्य नागरिक तथा कबीर नगर थाने के पुलिस कर्मचारी उपस्थित थे।

अवैध संबंध के आरोप में हत्या की कोशिश, दो गिरफ्तार

रायपुर। पंडरी थाने की पुलिस ने दो बदमाशों को हत्या की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। विवाद की वजह एक आरोपी द्वारा पीड़ित के साथ उसकी पत्नी के साथ संबंध होना बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक कौशिक राणा की हत्या की कोशिश करने के आरोप में बलौदाबाजार निवासी हिरावन साहू तथा पारथ उर्फ राजू साहू को गिरफ्तार किया है। कौशिक ने पुलिस को बताया है कि वह अपने एक अन्य साथी तथा आरोपी साइट पर काम कर रहे थे। इसी दौरान हिरावन ने कौशिक को अपनी पत्नी के साथ संबंध होने का आरोप लगाते हुए अपने दूसरे साथी के साथ मिलकर कौशिक के पेट पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया।

एम्स की डॉ. उज्जवला अमेरिका में पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चिकित्सा संस्थानों में फैलने वाले कैंडीडा ओरिस नामक फंगस की रोकथाम के लिए अमेरिका में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में एम्स की चिकित्सक द्वारा प्रस्तुत पत्र को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय सारांश का पुरस्कार मिला है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रो. उज्जवला गायकवाड़ को अमेरिका के टेक्सास में आयोजित एसोसिएशन फॉर प्रोफेशनल्स इन इंफेक्शन प्रिवेंशन एंड कंट्रोल (एपिक-24) एनुअल कांफ्रेंस एंड एक्सपोजिशन में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। अमेरिका की 40 वर्ष पुरानी यह संस्था दुनियाभर के माइक्रोबायोलॉजी के विशेषज्ञों को एक साथ लाकर संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी रणनीति बनाने की दिशा में कार्य करती है। 'कैंडीडा ओरिस' एक प्रकार का फंगस होता है, जिसे डब्ल्यूएचओ द्वारा दुनिया के लिए चुनौतीपूर्ण बताया गया है। इसके दुष्प्रभावों और संक्रमण को रोकने के लिए चिकित्सक एवं शोधार्थी प्रयासरत हैं। प्रो. गायकवाड़ एम्स में संक्रमण नियंत्रण अधिकारी भी हैं। इस कांफ्रेंस में दुनियाभर के 30 देशों के 4000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्हें सर्वश्रेष्ठ सारांश का पुरस्कार अध्यक्ष केरोल एम. मेक्ले की ओर से प्रदान किया गया। कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल और अन्य चिकित्सकों ने बधाई दी है।

- **मिला सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय सारांश पुरस्कार**

जीएम ने अभनपुर- सीबीडी स्टेशन के इंफ्रास्ट्रक्चर का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महाप्रबंधक नीनू इटियेरा ने रविवार को रायपुर रेलमंडल के अभनपुर, सीबीडी, मंदिर हसौद स्टेशन का निरीक्षण किया। केंद्री से अभनपुर नैरो गैज से ब्रॉड गेज अमान परिवर्तन का कार्य पूर्ण होने पर भविष्य में रेल परिचालन किया जाएगा। महाप्रबंधक ने इस परियोजना से जुड़े सभी पहलुओं का गहन अध्ययन करते हुए स्टेशन में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया व कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने कार्यों के ले-आउट प्लान का अवलोकन भी किया, साथ ही संरक्षा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधाओं एवं पुनर्विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी सहित रायपुर रेलमंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

- **महाप्रबंधक ने यात्री सुविधाओं व पुनर्विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने दिए निर्देश**

पूरे सेक्शन के कार्यों की ली जानकारी

अभनपुर स्टेशन पर नवनिर्मित स्टेशन बिल्डिंग में उन्होंने यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाओं, ट्रेन परिचालन के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण किया। अभनपुर स्टेशन पर बने गुड्स शेड, आवागमन के लिए एप्रोच रोड, सीबीडी स्टेशन की बिल्डिंग का निरीक्षण व अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मंदिर हसौद स्टेशन पर हो रहे विकासात्मक कार्यों, यात्री सुविधाओं के लिए फुट ओवरब्रिज, टिकट काउंटर का निरीक्षण किया। अभनपुर से रायपुर के मध्य पूरे सेक्शन का गहनता से निरीक्षण किया। सभी अमृत भारत स्टेशनों और अन्य स्टेशनों पर दिव्यांगजनों एवं ग्राहकों का विशेष ध्यान रखते हुए उनके अनुकूल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री से मुलाकात, सिंधी समाज के लिए जमीन की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास पर छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने इस वर्ष चेट्रीचंड्र के अवसर पर सिंधी समाज को शासकीय अवकाश प्रदान किया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि सिंधी समाज द्वारा सेवाकार्य के लिए जमीन की मांग कुछ समय से की जा रही है। सिंधी समाज के आयोजन में मुख्यमंत्री ने समाज को आश्वस्त किया था कि इस संबंध में सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे। उन्हीं बातों को ध्यान में रखकर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की तथा उनसे निवेदन किया कि इस संबंध में जल्द से जल्द कदम उठाए जाएं, ताकि सेवाकार्य की कड़ी को छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत आगे बढ़ा सके। मुलाकात करने वालों में चैंबर अध्यक्ष अमर पारवानी, महेश दरयानी, महेश रोहरा, बलराम आहूजा, सुभाष बजाज, जीवत बजाज, कैलाश खेमानी, कैलाश बालानी आदि उपस्थित थे।

- **शासकीय अवकाश के लिए सीएम को दिया धन्यवाद**

पेज 11 के शेष ...

आयुष्मान का पैसा...

स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि जवाब संतोषजनक नहीं होने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य में पांच सौ से अधिक छोटे-बड़े निजी अस्पताल इस योजना के तहत पंजीकृत हैं। हितग्राहियों को उनके राशनकार्ड के आधार पर पचास हजार से पांच लाख रुपए तक उपचार की सुविधा दी जा रही है। राज्य में 2.10 करोड़ लोग आयुष्मान कार्ड बनवाकर योजना के हितग्राही बन चुके हैं।

150 करोड़ में...

एकता मॉल निर्माण के दौरान पंडरी स्थित छत्तीसगढ़ हाट-बाजार को फिलहाल दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। मॉल की बिल्डिंग बनने के बाद इसके लिए एक हिस्से में हाट बाजार बसाया जाएगा। रायपुर विकास प्राधिकरण को इस प्रोजेक्ट में नोडल एजेंसी बनाया गया है। प्राधिकरण के अधिकारी छह मंजिला पीएम एकता मॉल की डिजाइन तय करने के साथ ही एजेंसी चयन के बाद वर्कआर्डर जारी करने की तैयारी में हैं।

एक जिला एक उत्पाद...

उत्तरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, बंगाल सहित 28 राज्यों के बेस्ट प्रोडक्ट उपलब्ध रहेंगे। योजना का मकसद स्थानीय शिल्प को संरक्षित कर पारंपरिक कला को बढ़ावा देना है।

वनभूमि पर पट्टे की...

के साथ मारपीट की घटना को वन अफसरों ने गंभीरता से लेते हुए तोरेंगा तथा आसपास के एक दर्जन से ज्यादा ग्रामीणों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। वन अफसर के मुताबिक, रिमोट सेंसिंग पोर्टल के माध्यम से जंगल में कितना कब्जा किया गया है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। इसी आधार पर तोरेंगा तथा आसपास के बफर जोन में वनाधिकार पट्टे की आड़ में वनभूमि पर बेजा कब्जा करने वालों के बारे में जानकारी जुटाकर कार्रवाई की जा रही थी, इससे नाराज होकर कब्जा करने वालों ने वनकर्मियों पर हमला कर दिया। अफसर के अनुसार, हमलावरों की पहचान की जा चुकी है। जिन लोगों ने वनकर्मियों पर हमला किया है, उनके खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। **डेढ़ हजार एकड़ से ज्यादा वनभूमि मुक्त :** अफसर के अनुसार, पूर्व में जो लोग वनभूमि पर कब्जा कर मकान बनाकर रहने के साथ कृषि कार्य कर रहे थे। उन लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर 16 सौ एकड़ वनभूमि को मुक्त कराया गया है। मुक्त वनभूमि वर्तमान में वन विभाग के पास है। कब्जा मुक्त वनभूमि की निगरानी करने के साथ ही वहां पौधे लगाए जा रहे हैं। **एक परिवार को चार हेक्टेयर वनभूमि :** शासन के नियमानुसार वनाधिकार पट्टा हासिल करने वाले पात्र लोगों को चार हेक्टेयर वनभूमि देने का प्रावधान है। अफसर के अनुसार, वनाधिकार पट्टा हासिल करने वाले कई ऐसे लोग हैं, जो निर्धारित जमीन से ज्यादा जमीन पर कब्जा करने पेड़ों की कटाई कर वनभूमि पर कब्जा कर कृषि कार्य कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में खुलेंगे...

कॉलेज खोलने की योजना पर काम किया जा रहा है। इस बार किसी नए चिकित्सा महाविद्यालय के लिए आवेदन नहीं किया गया था, मगर दो निजी कॉलेजों के आवेदनों को इस बार हरी झंडी मिलने की पूरी संभावना है। नवा रायपुर में स्थित श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल का साइंसेज और भिलाई के अभिषेक आई मिश्रा स्मृति मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च के आवेदन आधार पर एनएमसी टीम द्वारा निरीक्षण का काम पूरा किया जा चुका था। सूत्रों का कहना है कि निरीक्षण के दौरान सुविधाओं को संतोषजनक पाया गया। इस आधार पर यह माना जा रहा है कि वर्ष 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में उन्हें प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। दोनों कॉलेजों में डेढ़-डेढ़ सौ सीटें होने की संभावना है। इससे राज्य में निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 5 और शासकीय मिलाकर 15 होने की संभावना है। राज्य में इसके बाद ईडब्लूएस का कोटा मिलाकर एमबीबीएस की कुल 2210 सीटें हो जाएंगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार 02 धरसींवा
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ: जिला रायपुर तहसील-धरसीवा प.ह.न.-00006 मौहागांव ग्राम के नामातरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक
RD2023244407150000007

// ईश्तहार //

तहसील धरसीवा के प.ह.न. 00006 के अंतर्गत ग्राम मौहागांव के वर्तमान भूमिस्वामी सावित्री कुमारी बाई प्यारी बाई पिता सुकलाल पिता/पति-रेशम बाई बेवा सुकलाल पता-सा. देह के द्वारा धारिल भूमि खसरा क्रमांक 421/2 (0.1380), 60/2(0.1580), 67/5(0.1950), 160/2 (0.4050), 55/3 (0.1050), 54/1 (0.1940), 421/1 (0.0810), 27/4 (0.1030) में प्रस्तावित भूमिस्वामी /क्रेता सावित्री पिता/पति-सुकलाल पता-सा. देह प्यारी बाई पिता/पति-सुकलाल पता-सा. देह, रेशम बाई बेवा सुकलाल पिता/पति-सुकलाल पता-सा. देह, कुमारी बाई पिता/पति-सुकलाल पता-सा.देह के नाम पर पंजीयन/फ्रौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 19/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार 02धरसींवा पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता आममुखत्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 26/06/2024 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार :
RAJENDRA CHANDRAKAR
उप तहसील सारागांव

मुहर

कार्यालय रा.नि.मं. रायपुर-14 (बोरियाखुर्द), तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

//आम सूचना //

जारी दिनांक-06/07/24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविशंकर दीक्षित पिता श्री एल.एन.दीक्षित निवासी मोती नगर बोरियाखुर्द द्वारा आवेदित ग्राम डूण्डा प.ह.नं. 72 राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर-14 बोरियाखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 58/23, 58/53 रकबा क्रमशः 0.203 0.0753 हे. कुल खसरा क्रमांक 02 रकबा 0.2783 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 28/06/24 के परिपालन में दिनांक 12/07/24 को समय अपरान्ह 1 PM बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी में हल्का पटवारी हल्का नंबर 72 डूण्डा स्थित पटवारी/राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-रायपुर-14 (बोरियाखुर्द)

बिजनेस साइट

एनर्जी सेक्टर में निवेश के लगातार बढ़ते अवसर

रायपुर। भारत की एनर्जी खपत पिछले दो दशकों में दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है, जिससे यह वैश्विक स्तर पर चौथा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है। हालांकि, अभी भी काफी संभावनाएं हैं, जिनका पूरा उपयोग नहीं किया गया है, क्योंकि भारत की प्रति व्यक्ति एनर्जी खपत वैश्विक औसत का सिर्फ एक तिहाई है। यह असमानता इस क्षेत्र में विकास और निवेश के लिए पर्याप्त अवसरों को उजागर करती है।

भारत की विकास कहानी और एनर्जी सेक्टर - अगले कुछ दशकों में जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, बिजली और ईंधन की उसकी जरूरतें भी बढ़ेंगी। देश की जीडीपी वृद्धि और ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। आर्थिक विकास को बनाए रखने, औद्योगीकरण को बढ़ावा देने और जीवन स्तर में सुधार के लिए एक मजबूत एनर्जी सेक्टर जरूरी है। भारत की 2070 तक "नेट जीरो" एमिशन यानि उत्सर्जन हासिल करने की महत्वाकांक्षा ने रिन्यूएबल एनर्जी में उछाल ला दिया है, जिसमें सौर और पवन ऊर्जा सबसे आगे हैं। भारत के 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, रिन्यूएबल एनर्जी के लिए बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन की आवश्यकता होगी, जिससे एनर्जी वैल्यू चेन में मौजूदा और नई कंपनियों के लिए अवसर खुलने की संभावना है।

सरकारी सुधार - सरकारी सुधारों ने भारत के एनर्जी सेक्टर को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और निभाएंगे। इन पहलों में घरेलू तेल और गैस खोज के लिए सहायक नीतियां, गैस मूल्य निर्धारण में सुधार, ऑटो ईंधन सब्सिडी को हटाना, बेहतर पूंजी आवंटन, गैस खपत के लिए इंटीग्रेटेड टैरिफ का कार्यान्वयन और गैस ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर, एलएनजी टर्मिनल और सिटी गैस वितरण नेटवर्क में पर्याप्त निवेश शामिल हैं।

लीलम भूरा
एम.एफ.डी., आयुष्मान मनी मॉल, रायपुर

मार्केट कैप और लाभ पूल - 31 मई, 2024 तक, एनर्जी थीम का बाजार पूंजीकरण एक्सपोजर वर्तमान में 8 प्रतिशत है, जो व्यापक बाजार सूचकांकों में इसके लाभ पूल प्रतिनिधित्व 19 प्रतिशत के साथ काफी विपरीत है। यह एनर्जी कंपनियों के लिए भविष्य में अपनी बढ़ती लाभप्रदता के साथ अपने बाजार हिस्सेदारी का विस्तार करने के लिए एक आशाजनक संभावना की तरफ संकेत करता है।

परिणाम - रिन्यूएबल एनर्जी स्रोतों में निवेश, एनर्जी - कुशल टेक्नोलॉजीज में प्रगति और ऊर्जा बुनियादी ढांचे में वृद्धि बढ़ती मांग को पूरा करने और भारत के महत्वाकांक्षी ग्रोथ ट्रांजेक्टरी का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण होगी। परिणामस्वरूप, एनर्जी सेक्टर भारत के आर्थिक विस्तार पर पूंजी लगाने के इच्छुक निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। एनर्जी सेक्टर में रुचि रखने वाले निवेशकों के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड वर्तमान में एनर्जी सेक्टर पर केंद्रित एक नया फंड ऑफर (एनएफओ) लाया है, जो 02 जुलाई से 16 जुलाई, 2024 तक निवेश के लिए खुला रहेगा। इस योजना के निवेश सेक्टर में ग्रीन एनर्जी, तेल और गैस सेक्टर, बिजली और संबंधित सेक्टर से जुड़ी कंपनियां शामिल हैं।

आईएएस दंपति की केंद्र से होगी वापसी, प्रशासनिक फेरबदल भी जल्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डॉ. रोहित यादव एवं रितु सेन की वापसी के लिए केंद्र से मिली अनुमति

छत्तीसगढ़ से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के बाद राज्य में उनकी वापसी होने वाली है। इन अधिकारियों में डॉ. रोहित यादव (2002 बैच) और आईएएस रितु सेन (2003 बैच) शामिल हैं। दोनों आईएएस अफसर पति-पत्नी हैं। जानकार सूत्रों के अनुसार, इन दोनों अधिकारियों की वापसी के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मिल गई है। साथ ही राज्य में जल्द ही बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होने की संभावना है।

खास खबर

आईएएस डॉ. रोहित यादव छत्तीसगढ़ में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं देने के बाद 2 अगस्त 2018 को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली गए थे। वहां उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में ज्वाइंट सेक्रेटरी बनाया गया था।

सचिव, विशेष सचिव, कलेक्टर बदले जाएंगे

नए प्रशासनिक फेरबदल की प्रक्रिया में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों जैसे सचिव, विशेष सचिव, संचालक और कुछ जिलों के कलेक्टरों के तबादले संभावित हैं। माना जा रहा है कि सरकार के छह माह के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विभागों की समीक्षा बैठक के बाद विभागों में कामकाज की स्थिति सामने आ रही है। इसी आधार पर ये संभावना व्यक्त की जा रही है कि जिन विभागों और जिलों में कामकाज सरकार की अपेक्षा के अनुरूप नहीं पाया गया है, तथा जिन विभागों के माध्यम से सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, उन विभागों से संबद्ध अधिकारियों की पदस्थापना में अफसरों के प्रदर्शन के आधार पर बदलाव किया जा सकता है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत कलेक्टरों को बदला जाना प्रस्तावित है। राज्य में जिन जिलों के कलेक्टरों को बदला जाना है, उन जिलों में कलेक्टरों के कामकाज की समीक्षा के आधार पर बदलाव संभावित है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि सरकार किन जिलों के कलेक्टरों को बदलने जा रही है।

इसी तरह रितु सेन दो साल पहले 31 मार्च 2022 को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गई थीं। वहां उन्हें नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (एनएडीए) में सीईओ बनाया गया था। दोनों अधिकारियों की केंद्र में प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने पर इनकी वापसी तय है।

अब होगा बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

छत्तीसगढ़ में कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापसी और राज्य सरकार द्वारा बुधवार को राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अफसरों के तबादलों के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में बड़ा फेरबदल होगा। जल्द ही सचिव, विशेष सचिव, संचालक और कुछ जिलों में कलेक्टरों के तबादला आदेश जल्द जारी किए जा सकते हैं। इसकी शुरुआत बुधवार को राज्य प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों के तबादलों से हो चुकी है। इससे पहले जनवरी में 89 अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापनाएं की गई थीं।

खबर संक्षेप

प्रेमप्रकाश आश्रम में 138 यूनिट रक्तदान

रायपुर। गुरु स्वामी टेऊंराम महाराज के 138वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शैलेंद्र नगर स्थित प्रेमप्रकाश आश्रम में रविवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 53 महिला और 85 पुरुषों ने मिलकर कुल 138 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदाताओं को आश्रम की तरफ से पखर, प्रसाद, मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। आश्रम के अध्यक्ष अशोक मंधान व महासचिव विजय मोटवानी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी स्वामी टेऊंराम महाराज का चालीसा जन्मोत्सव 40 दिन तक पूरे देश, विदेश सहित रायपुर में भी बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें अनेकों सेवाकार्य किए जाते हैं, जिसमें प्रमुख रूप से मासिक अन्नदान, कन्याभोज, ब्राह्मणभोज, रक्तदान सहित अनेकों सेवाकार्य किए गए। इस अवसर पर सर्वानंद मंधान, सुनील थारानी, अशोक मंधान, विजय मोटवानी, गुरमुखदास आहूजा, रवि वाधवानी, इंदर गेहानी, श्याम माधवानी, राजा मंधान, रवि मोटवानी, अनूप, गोलू, दिनेश, संजय, अभिषेक, रितेश, संतोष, प्रदीप आदि शामिल थे।

कांकेर में शिवसेना की आज प्रदेश स्तरीय बैठक

रायपुर। शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे की एक बैठक कांकेर में 8 जुलाई को होगी, जिसमें प्रदेश के पूरे जिलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को बैठक में उपस्थित होने कहा गया है। इस बैठक में निम्न मुद्दों पर आगामी संगठन की मजबूती के लिए विशेष चर्चा तथा आगामी चुनाव के मद्देनजर गहन परिचर्चा की जाएगी। यह जानकारी प्रदेश के प्रवक्ता संजय नाग ने देते हुए बताया कि बैठक में प्रदेश के सभी जिला प्रमुख एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी

रायपुर। देवेंद्र नगर थाने में जांजगीर-चांपा के एक व्यक्ति ने अपने ही क्षेत्र के एक व्यक्ति के खिलाफ नौकरी लगाने का झांसा देकर 19 लाख 35 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक शिव कुमार साहू ने विजय जांगड़े के खिलाफ ठगी करने की शिकायत दर्ज कराई है। शिव ने पुलिस को बताया कि विजय देवेंद्र नगर में भारत कंसल्टेंसी के नाम से ऑफिस खोला था, उसने शिव को उसके परिचित के माध्यम से शिव के बेटे तथा उसके अन्य परिजनों को सरकारी तथा निजी क्षेत्र में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी का शिकार बनाया।

वाहन चलाने के विवाद में मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने एक मिनीडोर चालक तथा उसके साथी के खिलाफ वाहन चलाने के विवाद में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, अंकित उपाध्याय ने टाटा एस सीजी-04 एनएक्स 6134 के चालक तथा उसके साथी के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अंकित ने पुलिस को बताया कि पचपेड़ी नाका के पास मिनीडोर के चालक ने उस पर ठीक से बाइक नहीं चलाने का आरोप लगाते हुए मारपीट की।

ट्रेनों में जनरल और स्लीपर कोच बढ़ाने शुरू हुआ काम, दो साल में 10 हजार बोगी का लक्ष्य

बिलासपुर जोन की 38 ट्रेनों में अतिरिक्त कोच दूसरे जोन में नहीं, यात्रियों की भीड़ अब भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक्सप्रेस ट्रेनों के जनरल कोच में भीड़ को लेकर रेलवे गंभीर है। मई महीने में रेलवे ने बिलासपुर जोन की 38 ट्रेनों में दोनों तरफ जनरल कोच लगाने का फैसला लिया था। इसका फायदा यात्रियों को मिला है, लेकिन दूसरे जोन की लंबी दूरी वाली ट्रेनों में अब भी रेलवे ने अतिरिक्त कोच नहीं बढ़ाए हैं, जिससे यात्रियों की समस्या कम नहीं हो रही है। रक्सौल-दरभंगा, हावड़ा-अहमदाबाद, समरसता, पोरबंदर एक्सप्रेस समेत पुणे जाने वाली ट्रेनों में रेलवे ने पहले से ही स्लीपर और जनरल कोच में कटौती कर दी है। इसके बाद अतिरिक्त कोच भी नहीं लगाए हैं। यात्रियों को ट्रेनों में खड़े होकर पूरा सफर करना पड़ रहा है। यही वजह है कि ट्रेनों में भीड़ की हालत बदतर हो रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 14 ट्रेनों में अतिरिक्त कोच अक्टूबर से नवंबर के बीच लगाए जाएंगे, तब तक जनरल व स्लीपर कोच में भीड़ के बीच यात्रियों को सफर करना पड़ेगा। प्रमुख ट्रेनों में अजमेर, नौतनवा, एर्नाकुलम, पुणे, चेन्नई जाने वाली ट्रेनें शामिल हैं।

हरिभूमि सरोकार

- जोन की 38 ट्रेनों में अभी तक रेलवे लगा चुका है जनरल कोच, नवंबर और अक्टूबर में 14 और ट्रेनों में लगेंगे

जोन की ट्रेनों में भीड़ कम करेगा रेलवे

कोच का निर्माण आमतौर पर आवश्यकता के अनुरूप होता है। जाहिर है कि जब इतनी बड़ी संख्या में भारतीय रेलवे की कोच फैक्ट्री में नए कोच का निर्माण होगा तो उसे अलग-अलग रेलवे जोन को दिया जाएगा। इसमें कमाऊपूत जोन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी शामिल रहेगा। नए कोच उपलब्ध होने के बाद रेल प्रशासन लंबी दूरी की ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की सुविधा दे सकता है। कई बार ऐसा होता है कि रेलवे अतिरिक्त कोच लगाना चाहता है, लेकिन कोच की उपलब्धता नहीं होने के कारण यह सुविधा शुरू नहीं हो पाती। जबकि अधिकांश ट्रेनों में पीक सीजन के समय अतिरिक्त कोच की जरूरत पड़ती है। इस सीजन के समय ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची बढ़ जाती है। इस स्थिति में यात्री या तो यात्रा रद्द कर देते हैं या फिर वेटिंग टिकट लेकर आरक्षित कोच में सफर करते हैं। बिना बर्थ के यात्रा करने से यात्रियों को परेशानी भी होती है।

2710 जनरल कोच का होगा निर्माण

रेलवे ने कोच की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए दो साल में करीब दस हजार नॉन-एसी कोच के निर्माण को मंजूरी दी है। यह योजना आम यात्रियों की यात्रा को आसान करने के लिए बनाई गई है। इसमें 5300 से अधिक जनरल कोच हैं। माना जा सकता है कि रेलवे आम यात्रियों को राहत देने का प्रयास कर रहा है। पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 में रेलवे ने अमृत भारत जनरल कोच सहित 2605 जनरल कोच, अमृत भारत स्लीपर कोच के अलावा 1470 नान एसी स्लीपर, अमृत भारत एसएलआर कोच सहित 323 एसएलआर कोच, 32 उच्च क्षमता वाले पार्सल वैन और 55 पेंट्रीकार बनाए जागी। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2710 जनरल कोच का निर्माण किया जाएगा। जिनमें अमृत भारत के जनरल कोच भी शामिल है। अमृत भारत ट्रेन को मिलाकर 1910 स्लीपर कोच बनाए जाएंगे। इसके साथ ही 514 एसएलआर कोच, 200 उच्च क्षमता वाली पार्सल वैन और 110 पेंट्रीकार बनाने की योजना है।

दो हजार लीटर यूज्ड कुकिंग ऑयल संग्रहित, बायोफ्यूल बनाने में होगा इस्तेमाल

रायपुर। होटल-खोमचे में खाद्य पदार्थ तलने के कुकिंग ऑयल का दोबारा उपयोग रोकने खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने जांच शुरू कर दी है। बीते एक माह में जांच के बाद दो हजार लीटर यूज्ड कुकिंग ऑयल संग्रहित किया गया है। इसका इस्तेमाल बायोफ्यूल बनाने में किया जाएगा।

- होटले-खोमचे की जांच के बाद लिया गया जला तेल, सेहत पर डालता है असर

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। बार-बार उपयोग से तेल के गुण बदल जाते हैं और यह सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, जिसे देखते हुए जांच टीम लगातार निगरानी कर रही है। इसके तहत आज शहर के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए ठेले-खोमचे में उपयोग किए जाने वाले खाद्य तेलों की जांच की गई। सूत्रों के अनुसार, अब तक इस जांच अभियान में दो हजार लीटर तेल संग्रहित किया गया है, जिसका उपयोग बायोफ्यूल बनाने के लिए किया जाएगा। विभागीय टीम द्वारा अधिकृत एजेंसी से समन्वय बनाकर प्रतिवर्ष 10000 लीटर संग्रहित करने का निर्णय लिया गया है।

जले तेल से होता है प्रदूषण

छोटे-बड़े रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे, फूड प्लाजा और स्ट्रीट वेंडर्स समोसा, पकौड़े आदि तलने के बाद बचे हुए तेल को नाली में नहीं बहा पाएंगे, न ही बार बार उपयोग कर पाएंगे। पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य को बचाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन अब इस्तेमाल हुए खाद्य तेल से सीबीडीए और अधिकृत एजेंसी के माध्यम से बायोफ्यूल बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए 27 रुपए प्रति लीटर की दर से तेल खरीदा जा रहा है।

पटवारी संघ ने ठुकराई राजस्व मंत्री की अपील, आज से बेमुद्दत हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की अपील ठुकराते हुए छत्तीसगढ़ में राजस्व पटवारी संघ अपनी 32 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी में है। संघ के अध्यक्ष भागवत कश्यप का कहना है कि पटवारी भुइयां सॉफ्टवेयर में आ रही दिक्कत से परेशान हैं। सोमवार को पूरे प्रदेश के 5 हजार से अधिक पटवारी अपने-अपने जिले में ही हड़ताल पर रहेंगे। राजधानी रायपुर में धरनास्थल नवा रायपुर में पटवारी संघ के पदाधिकारी प्रदर्शन करेंगे।

- जिलों में रहकर करेंगे प्रदर्शन, राजस्व पखवाड़ा होगा प्रभावित

राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़ ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को भेजे गए मांगपत्र में 32 बिंदुओं के आधार पर अपनी मांग रखी है और उनके निराकरण की मांग की जा रही है। संघ का कहना है कि जो मांगें रखी गई हैं, वे सभी विगत कई वर्षों से लंबित मांगें हैं, निराकरण न होने की वजह से प्रदेश के सभी पटवारी निराश और हताश हैं। उनके हड़ताल पर जाने से राजस्व विभाग का राजस्व पखवाड़ा प्रभावित होने की पूरी संभावना है।

उच्चाधिकारी करते हैं प्रताड़ित : शिकायत ये भी है कि डिजिटल हस्ताक्षर 100 प्रतिशत करने के लिए शासन स्तर पर दबाव बनाया जाता है। पटवारी खुद अपने खर्च से डिजिटल टोकन बनाते हैं, इसके बाद भी उच्चाधिकारी प्रताड़ित करते हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्री होने के बाद नामांतरण के लिए पटवारी की आईडी में आता है, जिसमें क्रेता-विक्रेता से संबंधित सारी जानकारी अंग्रेजी में रहती है, जिसे हिंदी में टाइप करना पड़ता है। लिपिकीय त्रुटि हो सकती है। इसके लिए पटवारी को दोषी समझा जाता है।

ये हैं प्रमुख मांगें

पटवारी संघ का कहना है कि ऑनलाइन काम करने के लिए आज तक किसी प्रकार की सुविधा नहीं दी गई है। कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर, स्कैनर, इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। पटवारी अपने संसाधन से काम करते हैं, इसके लिए अतिरिक्त भत्ता दिया जाए। ऑनलाइन नक्शा, बटांकन, संशोधन पहले पटवारी आईडी में संशोधित कर राजस्व निरीक्षक की आईडी में भेजा जाता है। जब तक राजस्व निरीक्षक की आईडी से अनुमोदन नहीं होता है, तब तक उसी नक्शे से संबंधित अन्य बटांकन या संशोधन नहीं किया जा सकता है, जिसके कारण अनावश्यक विलंब होता है। पटवारी द्वारा अनुमोदन के लिए भेजा गया नक्शा, बंटाकन पटवारी आईडी में नहीं दिखता, जिससे त्रुटि की संभावना रहती है। नक्शा का सर्वर अधिकांशतः खुलता नहीं है। हर बार दोबारा लॉगिन करना पड़ता है, इसका निराकरण आज तक नहीं किया गया।

जिला स्तर पर हो सहायक प्रोग्रामर

जिला स्तर पर सहायक प्रोग्रामर की पदस्थापना की जाए। त्रुटिपूर्ण खसरे, जो बैंक में बंधक हैं। ऐसे खसरों को शुद्ध या विलोपित नहीं किया गया है। न ही एनआईसी द्वारा उसे विलोपित किया गया है। पटवारी आईडी में संकलन, विलोपन, संशोधन का ऑप्शन नहीं है। इसके बावजूद कई जिलों में संकलन, विलोपन, संशोधन के नाम पर पटवारियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्वक कार्रवाई की जा रही है, इस पर रोक लगाई जाए। कर्जदार किसानों द्वारा कर्ज चुका देने के बाद भी ऑनलाइन भुईयां से बैंक बंधक नहीं हटाया जाता है। ऐसे मामलों की शिकायत होने पर सारा दोषारोपण पटवारियों पर होता है।

चातुर्मास के लिए शीतलराज महाराज ने किया मंगल प्रवेश

रायपुर। जैन धर्म के तपस्वी शीतलराज महाराज का रविवार को मानस भवन पुजारी पार्क पचपेड़ी नाका रायपुर में चातुर्मास के लिए मंगल प्रवेश हुआ। चातुर्मास प्रवेशोत्सव के तहत शांति रेजिडेंसी से प्रातः 9 बजे प्रवेश यात्रा निकाली गई। इससे पहले वहां बड़ी संख्या में पहुंचे अनुयायियों ने गुरुदेव के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद गुरु शीतलराज ने चातुर्मास मंगल प्रवेश के लिए पदयात्रा शुरू की। उनके साथ छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, गुजरात सहित अन्य अनेक राज्यों से पहुंचे गुरुभक्त भी पदयात्रा करते हुए मानस भवन पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा- सहकार से बड़े से बड़ा काम हो जाता है आसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता के महत्व को समझा और देश के गांव-गरीब और किसानों के उत्थान के लिए सहकार से समृद्धि का आव्हान करते हुए पृथक से सहकारिता मंत्रालय का गठन किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सहकारिता का ग्रामीणों और किसानों के विकास में कितना महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि भारत में सहकार की बहुत पुरानी परंपरा है। बड़े से बड़ा काम सहकार से आसानी से पूरा हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक क्रांति लाने में भी सहकारिता ने बड़ी भूमिका निभाई है।

- सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया

रविवार को राजधानी रायपुर के जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय के कृषि मंडपम में आयोजित प्रदेश स्तरीय कृषि सहकार सम्मेलन एवं सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने ड्रोन दीदियों से मुलाकात कर ड्रोन का प्रदर्शन देखा और उनकी हौसला-अफजाई की। कार्यक्रम में सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, सहकार हमेशा से हमारे संस्कार में मौजूद है। एक-दूसरे का सहयोग करते हुए हमारे देश ने प्रगति की है। प्रदेश के विकास में भी सहकारिता ने बड़ी भूमिका निभाई है। छत्तीसगढ़ में किसानों को धान का भुगतान, गुणवत्तापूर्ण बीज और खाद उपलब्ध कराना, आदिवासी क्षेत्रों में लघु वनोपजों की खरीदी और तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक का भुगतान भी सहकारिता के माध्यम से किया जा रहा है।

सहकारिता से जुड़कर काम करने की जरूरत : नेताम

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, बिना सहकार से सरकार, बिना संस्कार के सहकार और सहकार के बिना समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती है। सहकारिता की शक्ति और सहयोग से आज प्रदेश में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार है। छत्तीसगढ़ में सहकारिता आंदोलन को भुलाया नहीं जा सकता।

किसानों की आय बढ़ाने में सहकारिता की भूमिका : बृजमोहन

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, मेरे लिए यह खुशी की बात है कि सांसद चुने जाने के बाद सहकारिता के कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिला है। छत्तीसगढ़ में सहकारिता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के उदाहरण मौजूद हैं। इस दिशा में और कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए सहकारिता की भूमिका को लेकर सुझाव भी दिए।

शहर की 15 लाख आबादी को आधार मानकर परिसीमन की तैयारी

70 वार्डों में मतदाता सूची की छंटनी, मुख्यालय को आज सौंपेंगे डाटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में नवंबर-दिसंबर माह में होने जा रहे नगरीय निकाय चुनाव को लेकर प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम रायपुर में 70 वार्डों की मतदाता सूची की अनुभाग वाइज छंटनी का काम पूरा हो गया है। सोमवार को नगर निगम के दस जोन के राजस्व महकमे के अधिकारी निगम मुख्यालय में नगर निवेश विभाग को डाटा सौंपेंगे। निकाय चुनाव में शहर की वर्तमान में 15 लाख आबादी को आधार मानकर परिसीमन की तैयारी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक इसमें औसतन 12 से 15 हजार मतदाताओं के हिसाब से वार्ड की सीमा तय होगी। जिस वार्ड में मतदाताओं की संख्या 15 हजार से ज्यादा है, वहां के मतदाता को समीप के वार्ड में समायोजित किया जाएगा।

दरअसल रायपुर नगर निगम के 10 जोन के 70 वार्डों में राजस्व महकमे ने आगामी निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूची को अनुभागवार छंटनी का काम पूरा कर लिया है। निगम मुख्यालय में सोमवार को होने वाली बैठक में 70 वार्डों के मतदाताओं का अपडेट डाटा नगर निवेश विभाग को सौंपा जाएगा। वर्ष 2011 की जनगणना में वार्डवार मतदाता की संख्या और 2024 में विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में शहर के 70 वार्डों में मतदाताओं की संख्या का नवीनतम डाटा नगर निवेश विभाग ने जोन वाइज मांगा है। इसके लिए नगर निगम के 10 जोन के सहायक राजस्व अधिकारी, राजस्व अधिकारियों की टीम ने अपने जोन में अनुभाग वाइज मतदाता सूची की छंटनी कर डाटा तैयार कर लिया है।

आनुपातिक रूप से 15 हजार मतदाता औसतन 1 वार्ड में

वार्ड परिसीमन को लेकर की जा रही कवायद में आनुपातिक रूप से 15 हजार मतदाता औसतन एक वार्ड में होना चाहिए। वर्तमान में वार्डों में मतदाता की संख्या कहीं 13 हजार तो कहीं 14 से 18 हजार तक है। ऐसे में इस बार वार्ड परिसीमन का काम आसान नहीं होगा। हैं।

वार्डों की ओवरलैपिंग नहीं होनी चाहिए

वरिष्ठ एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन का कहना है, वार्ड परिसीमन के दौरान वार्डों की ओवरलैपिंग नहीं होनी चाहिए, चौहद्दी मिलनी चाहिए। 2019 में कराया गया वार्ड परिसीमन जल्दबाजी में हुआ था। चूंकि उस समय नगरीय निकाय चुनाव था, इसलिए परिसीमन के दौरान कई गलतियां हुईं। वार्डों में वोटर की संख्या को लेकर 13 हजार से लेकर 17 हजार तक वेरिएशन है। इस विसंगति को इस बार के निगम चुनाव से पूर्व एकरूपता में बदलने की जरूरत है। शहर की आबादी के हिसाब से नगर निगम के 70 वार्डों का आनुपातिक रूप से परिसीमन कराया जाए।

रायपुर, सोमवार 8 जुलाई 2024

हरिभूमि लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

सदर बाजार

इस्कॉन प्रचार केंद्र, सुंदर नगर

एकादशी तक मौसी गुंडिचा के विश्राम करेंगे जगन्नाथ

सदर बाजार स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में सुबह से ही मंत्रोच्चार की गूंज रही। पं. मोहित पुजारी के मार्गदर्शन में भक्तों को दर्शन लाभ के साथ ही भगवान की आराधना का अवसर मिला। दोपहर 2 बजे से ही भगवान को रथ में विराजमान करने का दौर तेज हुआ। शाम 4 बजे रथयात्रा शुरू होते ही इसे खींचने के लिए होड़ मची। सदर बाजार, कोतवाली, मालवीय रोड, जयस्तंभ चौक, शारदा चौक, एमजी रोड से होते हुए रथयात्रा वापस पुजारी निवास पहुंची। यहां भगवान मौसी के यहां एकादशी तक रहेंगे। इसके बाद वापस गर्भगृह में विराजमान होंगे। इस दौरान एक बार फिर मंदिर में उत्सव मनाया जाएगा।

इस्कॉन प्रचार केंद्र, सुंदर नगर

लिली चौक में उमड़ी भीड़, मोतीबाग में भंडारा

रथयात्रा का उत्साह प्राचीन मंदिरों ही नहीं बल्कि गली-मोहल्लों में भी देखने को मिला। इस कड़ी में अश्वनी नगर, बढ़ईपारा के अलावा लिली चौक स्थित जोशी परिवार द्वारा रथयात्रा महोत्सव मनाया गया। मोतीबाग के पास भी भक्त परिवारों ने मिलकर भगवान को आकर्षक रथ पर सवार करने के बाद परंपरा के अनुरुप रथयात्रा निकालने से पहले सभी रस्मों का निभाते हुए भोग प्रसादी वितरित करने के लिए भंडारे का आयोजन किया। इस तरह का माहौल शहर के लगभग सभी क्षेत्र में देखने को मिला। वहीं छोटे-बड़े मिलाकर दर्जनभर से भी ज्यादा आयोजकों ने रथयात्रा को यादगार बनाने के लिए भंडारा किया।

● रस्सी से बंधे जगन्नाथ के रथ को खींचने मची होड़, इस्कॉन में क्रेन से अर्पित किया भोग

तड़के 4 बजे नेत्र उत्सव, भक्तों के बीच 'जगत के नाथ'

रायपुर। रविवार तड़के 4 बने नेत्रोत्सव के बाद रथ यात्रा प्रारंभ हुई। शहर के कुछ मंदिरों में नेत्र उत्सव की रस्म शनिवार को ही अपनाई गई, जबकि पुरी की तर्ज पर गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर सहित कई मंदिरों में यह रस्म रविवार को पूरी की गई। इसके बाद हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। रस्सी से बंधे भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए जहां होड़ मची, वहीं आस्था में झूमते भक्तों के जत्थे का उत्साह भी चरम पर था। गायत्री नगर, सुंदर नगर, अश्वनी नगर, टूरी हटरी, सदर बाजार, बढ़ईपारा, लीली चौक सहित दर्जनभर से ज्यादा स्थानों पर उत्सव मनाया गया। जगह-जगह भोग भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस्कॉन प्रचार केन्द्र से बैंडबाजे के साथ निकाली गई रथयात्रा में युवाओं की टोली नृत्य करते रथ के आगे चलती नजर आई।

गायत्री मंदिर

सुंदर नगर

ब्रह्म मुहूर्त में शुरू हुई पूजा-अर्चना दर्शन के लिए लंबी कतार

मेले सा माहौल

श्री जगन्नाथ मंदिर टूरी हटरी में सुबह से हवन, पूजन एवं भजन कीर्तन का दौर निरंतर चल रहा था। दोपहर 2:30 बजे भगवान नए रथ में विराजित होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देने निकले। मंदिर के बाहर मेले जैसा माहौल रहा। रथयात्रा नगर के जिन मार्गों से गुजरीं लोगों ने परिवार के साथ भगवान का दर्शन लाभ लिया। राजेश्री महंत रामसुंदर दास महाराज ने भक्तों को भी रथ खींचने का अवसर दिया। पुरानीबस्ती थाने के पास रथ में तकनीकी खराबी आई। इसे सुधारने के बाद आगे बढ़ाया गया। इस बीच भक्तों का उत्साह थमने का नाम नहीं ले रहा था। अजय तिवारी, दाऊ महेंद्र अग्रवाल, मंगल विनोद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, कान्हा उपाध्याय व अन्य मौजूद रहे।

गजा-मूंग का प्रसाद

रथयात्रा के अवसर पर जय बुढ़ी मां गांड़ा महासभा द्वारा खम्हारडीह चौक पर प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही भगवान के स्मृति में दीप प्रज्ज्वलित कर फूलमाला अर्पित की गई। प्रसाद वितरण कार्यक्रम में जीतू सागर, किशोर महानंद, सावित्री जगत, राधे नायक, माधव छुरा, आलोक बाघ,समेत समाज के समस्त वरिष्ठ लोग शामिल हुए। वहीं उत्कल गांडा महिला महामंच द्वारा थाना खम्हारडीह चौक में प्रसाद वितरण कार्यक्रम किया गया। पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, छगन मुंडा, सिंधी पंचायत के अध्यक्ष महेश वलवानी, समाजसेवी सावित्री जगत सहित अन्य उपस्थित रहे।

भक्तों ने खेली फूलों की होली

इस्कॉन प्रचार केंद्र सुंदर नगर में सुबह से भक्तिमय माहौल रहा। भगवान को सजाने, उनका श्रृंगार करने के साथ ही भक्तों की टोली ने रथयात्रा जिस रूट से निकलनी थी, उसे रास्ते को कृष्ण की भक्ति से सराबोर किया। बैंडबाजे के साथ युवाओं का ग्रुप भक्ति सांग पर नृत्य करते नजर आया। भक्तों ने फूलों से होली खेली। इसके बाद 108 दीपों से भव्य महाआरती की गई। रथ में सवार आराध्य को क्रेन के सहारे 56भोग अर्पण किया। इस दौरान आतिशबाजी का दौर चला।

पुरानी बस्ती

सीएम और राज्यपाल ने लगाई झाड़ू

गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में ब्रह्म मुहूर्त 4 बजे से ही भक्तों का सैलाब उमड़ा। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक पुरन्दर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में दिग्गज जुटे। गुरू सदन तिवारी ने जगन्नाथ, माता सुभद्रा, बलभद्र सुदर्शन की विधि-विधान से पूजा की। इसके पहले अतिथियों ने सोने के झाड़ू से छेरा-पहरा की रस्म पूरी की। हवन के बाद ने नंदीघोष, देवदलन एवं तालध्वज रथ पर भगवान को रथारूढ़ किया। इसके बाद रथयात्रा मंदिर से निकाली गई। ओडिशा से आए प्रसिद्ध वाद्य घुमरा, नाम संकीर्तन्य, घंटा पार्टी, शंघनाद व जगन्नाथ का जयघोष बीटीआई ग्राउंड से शंकर नगर तक गूंज उठा। अब भगवान मौसी गुंडिचा रानी के घर विश्राम करेंगे।

पुरानी बस्ती

टूरी हटरी

कोतवाली चौक

गायत्री नगर

सदर बाजार

सिटी लाइव

मनुष्य जीवन का रक्षा कवच है साहित्य, मिलती है चिंतन दृष्टि

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के पुरोधा पं.स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी की जयंती पर प्रेस क्लब और छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर परमुख्य अतिथि भाषाविद डॉ.चित्तरंजन कर ने कहा कि एक पत्रकार को साहित्यकार भी होना चाहिए। पं स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी इसके प्रेरक थे। उनके पास साहित्य के कारण रचनात्मक चिंतन दृष्टि थी। छत्तीसगढ़ को संवारने का काम उन्होंने किया। छत्तीसगढ़ का निर्माण पत्रकारिता और साहित्य संस्कृति से हुआ है। राजनीति इसकी अनुगामी रही। समाचार सम्यक आचार की दृष्टि देता है। डॉ.सुधीर शर्मा ने कहा, 1920 में पं.स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी के पिता जो स्वयं स्वतंत्रता सेनानी पं गयाचरण त्रिवेदी ने अपने बच्चों का नाम स्वराज्य, स्वतंत्र और स्वाधीन रखा।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को आज भी खतरा

वरिष्ठ इतिहासकार डॉ.रमेंद्र नाथ मिश्र ने कहा, इतिहास के प्रति पं.त्रिवेदी में असीम चेतना थी। विशिष्ट वक्ता गिरीश पंकज ने कहा, सन 1900 में छत्तीसगढ़ के कस्बों से पत्रकारिता ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। बिना संसाधन के पेंड्रा, खैरागढ़ और रायगढ़ जैसे स्थानों से स्तरीय पत्रकारिता ने जन्म लिया।।समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा, पत्रकार और साहित्यकार के पसीने की बूंद से इस राज्य का निर्माण हुआ है। पत्रकारिता आज आधुनिक डिजिटल युग में है और यह चुनौती भरा कार्य है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को आज भी खतरा है। सत्ता आज भी सवाल पूछने वाले को पसंद नहीं करता।

धर्म लाइव

वैदिक मंत्रोच्चार संग मंडल में सामूहिक 'मुंज' संस्कार

रायपुर। चौबे कालोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल में रविवार को सुबह आठ बटुकों का सामूहिक मुंज अर्थात उपनयन संस्कार कराया गया। आचार्य चेतन दंडवते ने विधि विधान और वैदिक मंत्रों के साथ इन बटुकों के षोडस संस्कारों में से एक मुंज कराया। उनका साथ आचार्य योगेश दंडवते और पं. अभिषेक बक्षी ने दिया। महाराष्ट्र संस्कार केंद्र और महाराष्ट्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन किया गया। इसमें रायपुर, भिलाई, कोरबा, धमतरी और छिंदवाड़ा मध्यप्रदेश से कुल आठ बटुकों का मुंज कराया गया।

भिक्षाटन कर काशी यात्रा

सामूहिक उपनयन संस्कार का यह 25वां वर्ष था। इससे पहले के आयोजनों में तकरीबन 300 से अधिक बटुकों का उपनयन संस्कार कराया जा चुका है। महाराष्ट्र मंडल के सचिव आचार्य चेतन दंडवते ने बताया, सुबह आठ बजे उपनयन संस्कार की विधि पूरे विधान के साथ प्रारंभ की गई। सबसे पहले मंडप पूजन किया गया। इसके पश्चात मातृका पूजन एवं मातृभोज, फिर मंगलाष्टक संपन्न कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि संपन्न कराने के बाद सभी बटुकों ने भिक्षाटन कर काशी की यात्रा की। मुंज संपन्न होने के पश्चात बटुकों को संध्या संस्कार की किताब का मुफ्त वितरण किया गया। अमित कुमार दुर्गा, अभिषेक वाईकर धमतरी, कविश फाटक भिलाई, अथर्व अविनाश रुद्रज्वार रायपुर, आयुष पुराणिक दुर्गा, वैभव शेवालकर रायपुर, अभिप्राय धाबु कोरबा के साथ मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा से मोहन कस्तुरे का उपनयन संस्कार संपन्न कराया गया।

समाज इवेंट

ईश्वर ने जो अच्छी चीजें दी हैं, उस पर लगाएं ध्यान

रायपुर। अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल राजेन्द्र नगर में शाला प्रवेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया। अर्पण कल्याण समिति द्वारा संचालित स्कूल में नवप्रवेशित तथा पुराने विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। ज्ञात हो कि इस स्कूल में मूक बधिर बच्चों को साइन लैंग्वेज में शिक्षा दी जाती है। यहां बच्चों से किसी प्रकार शुल्क नहीं लिया जाता है। हॉस्टल की भी व्यवस्था है। बच्चों को भोजन, गणेवश, पुस्तक-किताब आदि मुफ्त में दिए जाते हैं। शाला प्रवेशोत्सव पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. अम्बा सेठी ने बच्चों से कहा कि दिव्यांगता को शारीरिक कमी मानकर सोचने की जरूरत नहीं है। ईश्वर ने जो अच्छी चीज दी है, उस ओर ध्यान दिया जाए। टपरी कैफे के संचालक इरफान अहमद ने बच्चों को बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा दी।

शांति व सुकून का स्थान

अतिथि कुलविंदर कौर भाटिया लॉयन एमजेएफ ने योग शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि स्पेशल बच्चों का हौसला बढ़ाया जाना चाहिए। इनकी सेवा ही प्रभु की सच्ची सेवा है। चेंबर ऑफ कामर्स महिला विंग अध्यक्ष मधु अरोड़ा ने कहा, बच्चों की जो भी जरूरत है, उसे चेंबर महिला विंग पूरा करेगी। नगर निगम सभापति महापौर प्रमोद दुबे ने कहा, मूक-बधिर बच्चों का यह स्कूल वास्तव में शांति व सुकून का स्थान है। ये बच्चे भले ही बोल व सुन नहीं सकते, लेकिन इनमें टैलेंट कूट-कूट कर भरा है। धनंजय त्रिपाठी, मृत्युंजय शुक्ला, दिनेश शुक्ला, आभा मिश्रा, रंजना अग्रवाल सहित अन्य संस्था सदस्य मौजूद रहे।

नवीन ऊर्जा दे रहा पार्क...

रायपुर। बारिश के समय में इन दिनों ऊर्जा पार्क लोगों को लुभाने लगा है। सप्ताहंत में बड़ी संख्या में युवा व फैमली पार्क भ्रमण करने पहुंच रहे हैं। रविवार को नौका विहार सहित साइंस मॉडल व डवेंचरस गेम्स में हिस्सा लेते हुए उन्होंने अपनों के साथ समय बिताया। यहां बच्चों और युवाओं के फन के लिए नए झूले लगाए गए हैं, वहीं क्रिकेट गेम जोन भी बनाया गया है। शाम के वक्त म्यूजिकल फाउंटन का बच्चे-बड़े सभी खूब लुत्फ उठा रहे हैं। पार्क को रिनोवेट करके सुंदर और आकर्षक बनाया गया है।

बरसात के लिए शहर की नर्सरी में बोस्टन फर्न, नमी में बढ़ते हैं तेजी के साथ, फंगस से बचाने विशेष खाद

राजधानी में बड़ा वर्ग ऐसा, जो बरसात में करता है आउटडोर संग इंडोर प्लांटिंग भी

बरसात के दौरान हर जगह हरियाली देखने को मिलती है। कुछ लोग अपने घर के भीतर भी प्लांट लगाने के शौकीन होते हैं। वे फ्रेश वातावरण के लिए छोटे प्लांट लगाते हैं। इंडोर प्लांट को छोटी जगहों पर रखा जा सकता है।

रायपुर। ठंड और गर्मी में इसका अधिक ध्यान रखने की आवश्यकता नहीं होती, लेकिन बरसात के दिनों में नमी के कारण फंगस और छोटे कीड़ों से बचाने की जरुरत होती है, जो पौधे की ग्रोथ को रोक देता है। बरसात के दिनों में कुछ पौधे में अच्छी ग्रोथ होती है, जिनमें कई विदेशी इंडोर प्लांट शामिल हैं। शहर की नर्सरी में भी मौसम के अनुसार इंडोर प्लांट आ रहे हैं। लोग रंग-बिरंगी पत्तियों वाले पौधे अधिक पसंद कर रहे हैं।

छोटी और आकर्षक पत्तियां

बोस्टन फर्न पौधे को क्लासिक लुक के लिए पसंद किया जाता है। इसके पत्ते छोटे होने के साथ आकर्षक होते है। बरसात के मौसम में हाइड्रोलॉजिकल स्थितियों में पनपता है। इसकी छोटी पत्तियां मौसम की नमी के साथ ही बढ़ती जाती है। घर के अंदर लगाने के लिए यह सबसे अच्छा प्लांट है, जिसे छोटे से गमले में भी लगाया जा सकता है।

कुछ देर रखें सूर्य की रोशनी में

गीता नर्सरी के प्रबंधक दीपक अठवानी ने बताया, बरसात के दिनों में इंडोर प्लांट को अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होती है। इन दिनों एग्लोनेमा, लीली, पार्लर पाम,पोथेस, फिलोंडेड्रोन जैसे कई पौधे लगाए जा सकते हैं। बरसात के दिनों में पौधे देखने में आकर्षित लगते हैं। बरसात के दिनों में समान्य मौसम के मुकाबले थोड़ा अधिक ध्यान देने की जरूरत होती है। इंडोर प्लांट को सबसे अधिक नुकसान उन्हें दिए जाने वाले अतिरिक्त पानी से होता है। मिट्टी की नमी जांचकर ही पानी दिया जाना चाहिए। इसके अलावा धूप निकलने पर कुछ घंटों के लिए इंडोर प्लांट को सूर्य की रोशनी में रखना चाहिए।

अधिकतर इंडोर प्लांट विदेशी

राम कृष्ण नर्सरी के प्रबंधक आदित्य पाटिल ने बताया, बारिश के दिनों में पौधे में कीड़े व फंगस लगने की समस्या देखने को मिलती है। इसके लिए कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया जाता है। ड्रेसीना प्लांट, मनी प्लांट, स्नेक प्लांट, बेगोनिया जैसे कई प्लांट है, जिसे इंडोर प्लांट के रुप में लगाया जा सकता है। नर्सरी में मौजूद पौधे को कोलकाता से मंगाए जाते हैं। अधिकतर इंडोर प्लांट विदेशी होते हैं। जिसकी कीमत 60-70 रुपए से शुरु होती है।

इंडोर प्लांट के लिए खाद्य

मानसून में इंडोर प्लांट के लिए कई बेहतरीन खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। इनमें लिक्विड फर्टिलाइजर, एप्सम साल्ट, केले के छिलके, बची हुई चायपत्ती या सब्जियों के छिलके को खाद्य की तरह इस्तमाल कर सकते है। इन दिनों फंगस और कीड़े लगने से बचाने के लिए हर 15 दिन में पौधे की जांच करते चले और कीड़े को हटाने के लिए पत्ते छांटते चलें।

बाहर से अधिक भागमभाग हमारे भीतर

रायपुर। जिनवाणी वर्षा के क्रम में रविवार को दीर्घ तपस्वी श्री विरागमुनिजी के श्रीमुख से विवेकानंद नगर में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रवचन का लाभ लिया। उन्होंने मन के रोग के संदर्भ में कहा, अगर आपको 50 लाख रूपए का पेमेंट लेना हो तो आप धूप में घंटों तक खड़े रह सकते है। वहीं, आपके अगर दुकान में ग्राहक नहीं आ रहे तो आपको एसी में बैठकर भी गर्मी लगने लग जाएगी। जब तक हम अंदर से संतुष्ट नहीं होंगे तब तक हमें बाहर की विकृतियां दिखती रहेगी। हम अपने लिए तो कई घंटे धूप झेल सकते हैं लेकिन दूसरों के लिए पांच मिनट खड़ा होना भी ज्वालामुखी पर खड़े होना जैसा लगता है। मुनिश्री कहते है कि आज व्यक्ति मैं-मैं, मेरा-मेरा करते रहता है। मैंने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया, पत्नी के लिए ऐसा किया, माता-पिता की सेवा की, दोस्तों-रिश्तेदारों का भरपूर सहयोग किया लेकिन किसी ने मेरे लिए कुछ नहीं किया, किसी ने मेरे बुरे समय में मेरा साथ नहीं दिया। जबकि यही सत्य है, इस दुनिया में किसी का कोई नहीं है। इसीलिए आपको अपनी आत्मा को पहचानना होगा, क्योंकि जब आप अपनी आत्मा को पहचान लेंगे तो आपको किसी के सहयोग का इंतजार नहीं रहेगा।

जब तक अंदर से संतुष्ट नहीं होंगे, तब तक बाहर दिखती रहेगी विकृतियां

सारी समस्याओं को सुलझा सकता है गुरु

वैसे तो इस दुनिया में लगभग हर आदमी दुखी है, आप जिसे देखो चेहरा मुरझाया हुआ दिखता है, किसे से पूछेंगे तो वह अपनी दुख भरी कहानी सुनाएगा। अगर आपने इस दुख के पैटर्न को समझ लिया तो आप किसी ज्योतिष की तरह दूसरों का दुख उसके चहरे को देखकर ही बता सकते हैं। कारण यह है कि आज तक व्यक्ति ने आध्यात्म की स्पर्शना नहीं की। आज बाहर जितना भागमभाग मची हुई है, उससे कहीं ज्यादा भागदौड़ आपके अंदर मची हुई है। इसे सुलझाने के लिए आपको अपने गुरू को सारी बातें बता देनी चाहिए क्योंकि गुरू आपकी सारी समस्याओं को सुलझा सकता है, बशर्ते उन्हें सभी बातें पता होनी चाहिए।

अब जन्मदिन भी पारंपरिक थीम पर केक की जगह काटे जा रहे मिष्ठान

रायपुर। बच्चों का जन्मदिन अभिभावकों के लिए बेहद खास होता है। इसे यादगार बनाने अब शहर में रामायण थीम पर जन्मोत्सव का चलन बढ़ने लगा है। खास बात यह भी है कि उत्सव सनातन सभ्यता, संस्कार और संस्कृति के साथ मनाया जाने लगा है। इस तरह के आयोजनों में केक की जगह पर बुंदीचुर लड्डू से लोगों को मुंह मीठा कराया जा रहा है। बीते दिनों में शहर में भाजपा नेता व सेवानिवृत वरिष्ठ आईएएस गणेश शंकर मिश्रा ने अपने पौत्र पृथ्वेन्द्र शंकर का जन्मदिन 'लैंड ऑफ रामायण' थीम पर मनाया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

वायरल हो रहा वीडियो

शहर में पहली बार रामायण थीम पर इस तरह का आयोजन किया गया था, जिसकी चर्चा लोगों के बीच रही। आयोजन में पहुंचे लोगों ने शहर के नामचीन शख्सियत के बीच रील वीडियो बनाकर मीडिया में डाला है, जो अब वायरल हो रहा। जन्मोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत समेत अन्य अतिथि के रूप में पहुंचे।

रामायण थीम पर सज रहे होटल

अशोक वाटिका और रामसेतु थीम पर होटल की सजावट की जा रही है। बच्चे के साथ अभिभावकों की एंट्री शंख व मृदंग के स्वरों के बीच भजन के साथ हो रही है। एलईडी डिस्प्ले में रामायण की मानस की चौपाई और भजन का चुनाव किया जा रहा है। आयोजन में पहुंचे लोगों का स्वागत भी सनातन संस्कृति के अनुसार किया जा रहा है। सेवानिवृत वरिष्ठ आईएएस गणेश शंकर मिश्रा ने बताया कि जन्मदिन दीप जलाया जाता है। दीपों का प्रज्वलन नए और शुभमय जीवन को दर्शाता है। हमने जन्मदिन में अंग्रेजों की संस्कृति से दूरी बनाई और लोगों को सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए रामायण थीम का चुनाव किया।

पीएफ असिस्टेंट में 27% व नर्सिंग अधिकारी परीक्षा में 87% रही उपस्थिति

रायपुर। यूपीएससी द्वारा रविवार को दो पालियों में भर्ती परीक्षा हुई। पहली पाली में ईपीएफओ में पर्सनल असिस्टेंट के लिए परीक्षा हुई। रायपुर में 3 केंद्र बनाए गए थे। 1088 अभ्यर्थियों में से 27.3% ही उपस्थित रहे। ईएसआईसी नर्सिंग अधिकारी के रिक्त पदों पर लिखित परीक्षा दूसरी पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित की गई। 20 केंद्रों में हुई परीक्षा में 8799 कैंडिडेट्स में से 87.6% शामिल हुए।

स्वरोजगार समूह से जुड़ी युवतियां अब तैयार कर रहीं हर्बल चाकॅलेट

तुलसी, पुदीना समेत गुलाब के फूलों से बना रहे चॉकलेट नामचीन ब्रांड को टक्कर दे रही राजधनी की हर्बल रेसिपी

कार्नर न्यूज

रायपुर। बदलते समय के साथ हर व्यक्ति ऐसी चीजों का सेवन करना चाहता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद हो। शहर में इन दिनों नामचीन ब्रांड को शहर में बन रही हर्बल चॉकलेट टक्कर दे रही हैं। कृषि विवि के विशेष कार्यक्रम में ट्रेनिंग के बाद स्वरोजगार समूह से जुड़ी युवतियों और महिलाओं ने तुलसी, पुदीना समेत गुलाब के फूलों से हर्बल चॉकलेट बनाकर शहर में थोक व्यापारियों को बेच रही हैं, जिसका अच्छा फायदा मिल रहा है। आचंल श्रीवास्तव बताती हैं कि कृषि इंजीनियरिंग में बीटेक पूरा करने के बाद 6 महीने चॉकलेट बनाने के लिए ट्रेनिंग ली। बीते दो सालों में रायपुर में 10 लाख से अधिक चॉकलेट व्यापारियों को बेच चुके हैं। समूह में 10 से अधिक लोग जुड़े हुए है।

जड़ी-बूटी का इस्तेमाल

बाजार में ब्रांडेड कंपनियां इम्यूनिटी बूस्टर जैसी चॉकलेट तैयार कर रही हैं। यही वजह है कि अब लोग स्वाद और अच्छी सेहत के लिए भी चॉकलेट खरीद रहे हैं, जिसमें तुलसी और इलायची फ्लेवर की चॉकलेट पहली पसंद बनी हुई है। समूह से जुड़ी युवतियां बताती हैं, हम भी चॉकलेट में जड़ी-बूटियों के पाउडर का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा शहर में चॉकलेट की बढ़ती डिमांड का एक बड़ा कारण ये है कि इसमें कई फ्लेवर आने लगे हैं। हर्बल चॉकलेट में चॉकलेट और मिल्क टेस्ट के साथ किशमिश फ्लेवर, बटर स्कॉच, आरेंज फ्लेवर, पाइन एप्पल, मैंगो, लीची, चेरी जैसे अन्य फ्लेवर में तैयार करते हैं।

बिस्किट और मिठाइयां भी

कृषि विवि के वैज्ञानिकों को मुनगा के पत्तों ने शुगर फ्री चॉकलेट बनाने में सफलता मिली है। यह चॉकलेट पौष्टिकता से भरपूर है।

बाजार में मिल रहे अन्य चॉकलेट की तुलना में सस्ती है। पेरियाकुलम मुनगा, पीकेएम.1 की पत्तियों से चॉकलेट, मिठाई, बिस्किट कृषि विश्वविद्यालय ने तैयार किया है। रिसर्च के रूप में मिली इस सफलता के पीछे विवि के कृषि विज्ञान केंद्र, राजनादगांव के वैज्ञानिकों की मेहनत है। तमिलनाडु में ईजाद हुए पीकेएम-1 मुनगा की पत्तियों के माध्यम से यह संभव हो पाया है, जिससे अब बड़े स्तर पर देने की तैयारी विवि में चल रही है। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के सहयोग से मुनगा की पत्तियों पर रिसर्च कर विभिन्न मूल्य-वर्धित उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। वहीं इस रिसर्च को लोगों तक पहुंचाने के लिए स्व सहायता समूह को जोड़ा जाएगा, जिससे बाजार में सेलिंग कर आमदनी कर सकें।

स्पोर्ट्स टिप्स

रोप एक्सरसाइज करते हुए इन बातों का रखें ध्यान

रोप एक्सरसाइज को कार्डियो और स्ट्रेंथ का

एक बेहतर कॉम्बिनेशन माना जाता है। हालांकि, जब आप रोप एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। जब हम वर्कआउट करते हैं तो कई अलग-अलग एक्सरसाइज को उसमें शामिल करते हैं। इन्हीं में से एक है बैटल रोप। अगर इसे फिटनेस रूटीन प्रोग्राम का हिस्सा बनाया जाता है तो इससे एक साथ ही पूरे शरीर की कसरत हो जाती है। दरअसल, बैटल रोप एक साथ कई मसल्स ग्रुप को एक्टिव करता है। साथ ही साथ, इससे आपको कार्डियोवैस्कुलर बेनिफिट्स भी मिलते हैं।अमूमन यह माना जाता है कि रोप एक्सरसाइज एक कार्डियो वर्कआउट है, जबकि वास्तव में यह आपकी मसल्स स्ट्रेंथ को बिल्डअप करने में भी मददगार है। चाहे आप बॉडी बैलेंस को इंप्रूव करना चाहते हों या फिर अतिरिक्त कैलोरी बर्न करके वेट लॉस करना आपका टारगेट हो, बैटल रोप इन सभी टारगेट्स को पूरा करने में मददगार है। आप इसमें कई तरह की एक्सरसाइज कर सकते हैं और अपने वर्कआउट रूटीन को इंटरस्टिंग बना सकते हैं। यह सच है कि रोप एक्सरसाइज करना आपके लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिन फिर भी इसे करते हुए आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको रोप एक्सरसाइज करते हुए ध्यान रखना चाहिए-

जरूरी है वार्मअपजब आप रोप एक्सरसाइज कर रहे हैं तो उससे पहले वार्मअप करना बिल्कुल भी ना भूलें। इससे चोट लगने का खतरा काफी कम हो जाता है। आप अपनी मसल्स और ज्वॉइंट्स को तैयार करने के लिए आर्म सर्कल, शोल्डर रोल और टोर्सो ट्विस्ट जैसे डायनेमिक

स्ट्रेच करें। इसके अलावा, ब्लड फ्लो बढ़ाने के लिए आप 5-10 मिनट तक लाइट कार्डियो जैसे, जॉगिंग या जंपिंग जैक भी कर सकते हैं।बॉडी पोश्चर पर दें ध्यानजब आप रोप एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आपको अपने बॉडी पोश्चर पर खासतौर से ख्याल रखना चाहिए। हमेंशा अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई के समान खोलें। इससे बॉडी स्टेबिलिटी को बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही, अपने घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें और अपने हिप्स को पीछे की ओर हिंज करें। इससे आपके पीठ के निचले हिस्से पर तनाव कम होता है। साथ ही साथ, कोर मसल्स को एंगेज करने की कोशिश करें।वर्कआउट में हो वैरायटीबैटल रोप एक्सरसाइज करते हुए आप उसमें कई तरह की वैरायटी ला सकते हैं। मसलन आप अल्टरनेट वेव्स वर्कआउट करें, जिसमें एक हाथ ऊपर ले जाएं जबकि दूसरा नीचे जाए। इस तरह रोप की मदद से अल्टरनेट वेव्स बनाई जा सकती है। इसके अलावा, आप दोनों रोप को ऊपर की ओर उठाएं और उन्हें ज़ोर से नीचे पटकें। इससे आपकी स्ट्रेंथ बिल्डअप होती है। हालांकि, इस दौरान अपने कोर और लोअर बॉडी को एंगेज करने की कोशिश करें। आप रोप एक्सरसाइज में सर्कल की प्रैक्टिस भी कर सकते हैं। इसके लिए अपने आर्म्स को सर्कुलर मोशन में घुमाएं, या तो अंदर की ओर या बाहर की ओर। यह एक्सरसाइज एक साथ कई मसल्स को टारगेट करती है।कूल डाउन भी है जरूरीजिस तरह रोप वर्कआउट से पहले वार्मअप करना जरूरी है, ठीक उसी तरह आप कूल डाउन को भी बिल्कुल मिस ना करें। यह ना केवल रिकवरी में मददगार है, बल्कि इससे आपको बॉडी स्टिफनेस की शिकायत नहीं होगी। कूल डाउन के दौरान कंधे, हाथ, पीठ और पैर पर फोकस करते हुए स्टैटिक स्ट्रेच कर सकते हैं।

● शरीर में पित्त का संतुलन जरूरी, खानपान पर देना होगा विशेष ध्यान

अक्सर होने वाली खुजली हो सकती है लिवर की बीमारियों का संकेत

लिवर हमारे शरीर में भोजन को पचाने, स्वस्थ रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने, खून के थक्के को नियंत्रित करने और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता तो शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं मसलन, पित्त जमा होना। पित्त वसा को पचाने में मदद करता है। जब लिवर ठीक से काम नहीं करता है तो यह पित्त को ठीक से नहीं बना पाता या निकाल नहीं पाता है, जिससे पित्त रक्त में जमा होने लगता है। यह पित्त त्वचा में खुजली पैदा करता है, खासकर रात के समय जब आप सो रहे होते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, खुजली होना क्रोनिक लिवर रोगों का एक आम लक्षण है। आइए जानते लिवर की बीमारियों में खुजली होने के क्या कारण हैं और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है?

लिवर में होने वाली समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लिवर में गड़बड़ी होने पर शरीर में कुछ खास संकेत नजर आने लगते हैं। इनमें सबसे प्रमुख है शरीर में खुजली होना। यह रात के समय में अधिक देखी जाती है, खासतौर पर पैरों में सबसे ज्यादा खुजली होती है। लोगों की लगातार बिगड़ती जीवनशैली का सबसे ज्यादा असर लिवर पर पड़ता है। वैज्ञानिक अभी तक स्पष्ट नहीं हैं कि लिवर की बीमारी में खुजली होने के क्या कारण हैं? हालांकि इसके लिए कुछ कारकों को जिम्मेदार पाया गया है।

खुजली होने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया यदि आपको लिवर की बीमारी है, तो त्वचा के नीचे पित्त लवण का उच्च स्तर जमा हो सकता है, जिससे खुजली हो सकती है। पित्त लवण के उच्च स्तर वाले सभी लोगों को खुजली महसूस हो ऐसा भी जरूरी नहीं होती है। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान या हार्मोन्स में होने वाली समस्याओं के कारण भी खुजली की दिक्कत होने लगती है।

लिवर को कैसे स्वस्थ रखें?

डॉक्टर कहते हैं, लिवर की बीमारी के पीछे खराब खान-पान भी बड़ी वजह हो सकती है, इसलिए आहार में फल, सब्जियां एवं साबुत अनाज खाएं और वसा वाली चीजों से दूरी रखें। वजन को नियंत्रित रखें। धूम्रपान और शराब के सेवन से परहेज करें। सही समय पर लक्षणों की पहचान कर डॉक्टर की सलाह लें।

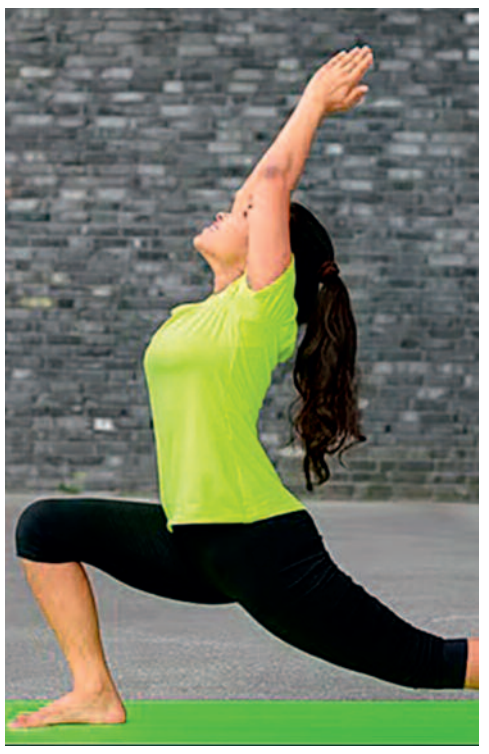

भूख पर आपका नियंत्रण नहीं है तो लें योग का सहारा

कई लोगों को तो बार बार भूख लगती है। बहुत अधिक भूख लगने से वजन बढ़ने का भी खतरा रहता है। भूख को कंट्रोल करने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। कुछ लोग अपने आप को अधिक व्यस्त रखने की कोशिश करते हैं तो कुछ पूरा दिन सोते रहते हैं ताकि भूख महसूस न हो। लेकिन इस का सेहत पर गलत असर पड़ता है। भूख को काबू में करने के लिए कुछ योगासन फायदेमंद है, जिसका अभ्यास व्रत के दौरान या डाइट के समय भूखे रहने में मदद करता है।

हलासन

हलासन के अभ्यास से बढ़ते वजन और भूख को कंट्रोल

कर लिया जाता है। हलासन के अभ्यास के लिए मैट पर पीठ के बल लेटकर धीरे धीरे अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाते हुए सिर के पीछे ले जाएं और फर्श को छून का पास करें। पैरों से फर्श को छू नहीं पा रहे तो अधिकतम सीमा तक ले जाने की कोशिश करें और कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहें। इस आसन से पेट की चर्बी कम होती है और भूख भी कम लगती है।

वीरभद्रासन 2

इस आसन को करने से आप भूख पर नियंत्रण कर सकते हैं। वीरभद्रासन 2 करने के लिए योग मैट पर सीधे खड़े हो जाएं और बाएं पैर को आगे की ओर ले जाकर घुटने मोड़ें। इस दौरान दाहिने टखने को बाहर की ओर रखते हुए हाथों को बगल की ओर अपनी दिशा में ही ऊपर की ओर उठाएं। 30 सेकंड तक इसी स्थिति में रूकें।

अधोमुख श्वानासन

भूख को कम करने के लिए नियमित अधोमुख श्वानासन का अभ्यास किया जा सकता है। इस आसन को करने को लिए पेट के बल लेटकर पैरों और हाथों को जमीन पर रखते हुए कूल्हों को ऊपर उठाएं। अब सिर को नीचे की ओर रखते हुए एड़ियों को फर्श की ओर दबाएं। इस स्थिति में 30 सेकेंड रहें, फिर सामान्य मुद्रा में आ जाएं।

इन लोगों को सावन सोमवार व्रत रखने की होती है मनाही

देवों के देव महादेव के प्रिय माह सावन की जल्द शुरुआत होने वाली है। मान्यता है कि इस माह में भोलेनाथ की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती है। इस दौरान आने वाले सभी सोमवार को व्रत रखा जाता है। लेकिन कुछ लोगों को सावन माह में व्रत रखने की मनाही होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर किन लोगों को सावन में व्रत नहीं रखना चाहिए।

कब से शुरू हो रहा है सावन 2024 ?

इस साल सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई 2024, सोमवार से हो रही है। इसका समापन 19 अगस्त 2024 को होगा। इस बार सावन के महीने में पांच सोमवार पड़ेंगे जो बेहद शुभ माने जाते हैं।

ये लोग न रखें व्रत

सावन माह में आने वाले सोमवार व्रत सभी के लिए बहुत खास होते हैं। लेकिन जिन लोगों को कोई बीमारी होती है, उन्हें ये व्रत नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा बुजुर्ग व्यक्ति को भी सोमवार व्रत नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इन लोगों को शारीरिक कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही स्वास्थ्य पर भी इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। सावन में गर्भवती महिलाओं को भी व्रत नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि ये समय बेहद नाजुक होता है। ऐसे में भूखे पेट रहने पर गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत पर असर पड़ सकता है। ऐसे में आप महादेव की विधिनुसार पूजा कर सकते हैं, और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उन्हें खीर का भोग लगाएं।

सावन पूजा-विधि

इस साल सावन माह की शुरुआत सोमवार से हो रही है। ऐसे में सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। फिर साफ वस्त्रों को धारण करें। इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल और दूध से अभिषेक करें। फिर महादेव को बेलपत्र, धतूरा, गंगाजल और दूध चढ़ाएं। फिर पूजा करना शुरू करें। इस समय "ओम् नमः शिवाय'मंत्र का जाप करते हुए आरती करें।

बच्चों को बनाकर खिलाएंगे दही सैंडविच तो दूसरे दिन भी होगी मांग

एक समय था जब बच्चे घर का बना भोजन करना पसंद करते थे, लेकिन आज समय बदल गया है। आज के बच्चे बाजार में मिलने पकवानों को खाना ज्यादा पसंद करते हैं। दही सैंडविच एस ऐसा नाश्ता है, जिसे आप कुछ ही देर में तैयार कर सकती हैं। आप चाहें तो इसे टिफिन में पैक भी करके भेज सकती हैं।

दही सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही निकालें। अब इसे पूरी तरह से फेंट लें। फेंटने के बाद इसमें कटा हुआ प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च डालें। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद इसमें नमक, काली मिर्च पाउडर और हल्का सा चाट मसाला डालें। एक बार फिर इसे चमचे की मदद से सही से मिक्स करें। आखिर में इसमें कटी हुई धनिया पत्ती डालें।

अब एक ब्रेड स्लाइस लेकर उसपर इस मिश्रण को लगाएं। सही से मिश्रण लगाने के बाद दूसरा ब्रेड इसके ऊपर रख दें। इसके बाद तवे को गर्म करके उस पर मक्खन लगाएं और फिर सैंडविच को सुनहरा होने तक सेकें। ये सैंडविच आप अपने बच्चे को जूस के साथ परोस सकती हैं। आप चाहें तो सैंडविच बनाने के लिए ब्राउन ब्रेड का इस्तेमाल कर सकती हैं।

बच्चे को खिलाड़ी बनाना आसान नहीं, इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप अपने बच्चे को एक खिलाड़ी की तरह उभरता हुआ देखना चाहती हैं, तो कुछ बातों का ध्यान आपको रखना होगा और कुछ बातों का उसे। यदि आपके बच्चे की रुचि खेल में है। वह भिन्न-भिन्न खेलों में हिस्सा लेता है तो आप खुशनसीब हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आजकल अधिकतर बच्चे मोबाइल में ही अपना वक्त बिताना पसंद करते हैं। इनडोर गेम्स में जहां चोट लगने का खतरा कम होता है। वहीं आउटडोर गेम्स में ये खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में एक मां होने के नाते आपको अपने इन खिलाड़ी बच्चों का विशेष ध्यान रखना होगा।

ट्रेनर हो प्रशिक्षित

आप अपने बच्चे के लिए ऐसे कोच या ट्रेनर का चुनाव करें, जो कि प्रशिक्षित हो। वह अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने वाला और बच्चे को सुरक्षित रख सकने वाला हो। खेल के दौरान बच्चे को कई बार छोटी तो कई बार बड़ी और गंभीर चोट लग जाती है। इस स्थिति में परिवार वाले घबरा जाते हैं कि वह ठीक है या नहीं, उसे डॉक्टर की जरूरत है या नहीं। ऐसे में इन सवालों को जवाब आपको तभी सही मिल पाएगा, जब आप उनका ट्रेनर चोट की स्थिति को समझने वाला हो।

प्राथमिक चिकित्सा

'बच्चा खेलेगा तो गिरेगा भी!' ये बात भी सही है। उसे खेल के दौरान मोच और चोट लगना भी स्वाभाविक है। लेकिन चोट से बचा कैसे जाए, खासकर गंभीर चोट से। वहीं यदि चोट लग जाए तो तत्काल उसका इलाज कैसे हो इसका आपको ध्यान रखना होगा। आपको ध्यान देना होगा कि उन्हें कोई भी चोट इतनी गंभीर न पहुंचे, जिससे उन्हें अधिक नुकसान हो और उसका खेलना ही छूट जाए। इसलिए जरूरी है कि बच्चे को समझाया जाए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जॉन सीना ने की डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास की घोषणा, 'द मरीन' से किया था डेब्यू

पहलवान और अभिनेता जॉन सीना ने डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास की घोषणा कर दी है। जॉन साल 2001 से डब्ल्यूडब्ल्यूई से जुड़े हुए है और 16 बार वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीत चुके हैं। जॉन सीना ने एलान करते हुए कहा कि वो रेसलमेनिया 2025 के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई से संन्यास ले रहे हैं। जॉन सीना को लोग 23 साल से भी ज्यादा समय से रिंग में पहलवानी करते हुए देख रहे हैं और जब अगले साल वो आखिरी बार रिंग में उतरेंगे तो उनके चाहने वालों के लिए वो भावुक कर देना वाला पल होने वाला है। मालूम हो कि जॉन सीना डब्ल्यूडब्ल्यूई में 2018 से पार्ट-टाइम ही नजर आ रहे हैं। उन्हें अक्सर एक तौलिया के साथ देखा जाता रहा है, जिस पर 'कभी हार ना मानो' लिखा होता था, लेकिन इस बार उनके तौलिया पर लिखा था- 'अब आखिरी बार है'।

जॉन सीना ने अपने संन्यास की घोषणा 'मनी इन द बैंक' के दौरान की, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई की एक रेसलिंग प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन 2010 से हर साल किया जा रहा है। इस मौके पर जॉन सीना की मौजूदगी ने सभी को चौंका दिया था। सब जानना चाह रहे थे कि वो क्यों और क्या करने के लिए आए हैं। जॉन ने लोगों से कहा कि आज रात, मैं आधिकारिक तौर पर डब्ल्यूडब्ल्यूई से अपने संन्यास की घोषणा करता हूँ। जॉन सीना ने कहा कि वो मंडे नाइट रॉ में हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं। बता दें कि लोग इसे जनवरी 2025 में नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।

टॉलीवुड

महीने भर के अंदर रिलीज होगी पिता चिरंजीवी और बेटे राम चरण की फिल्म

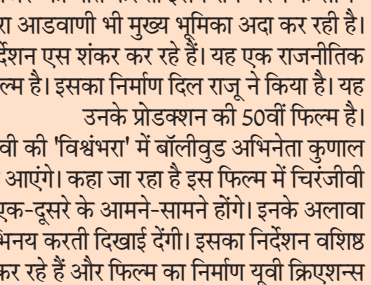

राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' पर तीन साल से काम चल रहा है। इस दौरान कई बार शूटिंग शुरू हुई और कई बार रुकी। हाल ही में, खबर आई कि राम चरण ने फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। इससे उनके प्रशंसकों ने राहत की सांस ली, क्योंकि अब उनसे इंतजार करते नहीं बन रहा है। दूसरी ओर उनके पिता की भी एक फिल्म आने वाली है और दोनों फिल्मों को लेकर एक रोचक चीज सामने आ रही है। राम चरण के पिता चिरंजीवी अपनी आने वाली फिल्म 'विश्वंभरा' की शूटिंग में व्यस्त में है। इसे लेकर हाल ही में खबर आई थी कि जल्द ही इसकी मेकिंग की एक वीडियो और चिरंजीवी के लुक को दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। 'विश्वंभरा' को अगले साल 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। राम चरण ने 'गेम चेंजर' की शूटिंग खत्म की तो अब इसकी रिलीज की तारीख को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इसे इसी साल दिसंबर महीने में रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है यानी कि एक ही महीने के भीतर राम चरण और चिरंजीवी की फिल्म को देखने का दिलचस्प संयोग बन रहा है। दोनों पिता-पुत्र के प्रशंसकों के लिए तो यह किसी तोहफे से कम नहीं है।

'गेम चेंजर' की बात करें तो इसमें राम चरण के साथ-साथ कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका अदा कर रही है। इसका निर्देशन एस शंकर कर रहे हैं। यह एक राजनीतिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्माण दिल राजू ने किया है। यह उनके प्रोडक्शन की 50वीं फिल्म है।

चिरंजीवी की 'विश्वंभरा' में बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर भी नजर आएंगे। कहा जा रहा है इस फिल्म में चिरंजीवी और कुणाल एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। इनके अलावा त्रिशा भी अभिनय करती दिखाई देंगी। इसका निर्देशन वशिष्ठ मल्लादी कर रहे हैं और फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन्स द्वारा किया जा रहा है। इसमें एमएम कीरवानी का संगीत सुनने को मिलेगा।

भोजपुरी

हंसाएगी और भावुक भी करेगी 'सास अठन्नी बहु रुपईया' फिल्म

जेएएस मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी सुपर स्टार विक्रांत सिंह राजपूत और रिचा दीक्षित स्टारर भोजपुरी फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का धांसू ट्रेलर धूम मचा रहा है। यह फिल्म परिवार में कलह और उसके परिणम से दर्शकों को सीख देती नजर आने वाली है। इसमें कॉमेडी का तड़का है तो भावुकता का मसाला भी। फिल्म के ट्रेलर के अनुसार, विक्रांत सिंह राजपूत, रिचा दीक्षित, जे नीलम और अनीता रावत ने अपनी अदाकारी से ट्रेलर में रोमांच भर दिया है, तो फिल्म का लेवल क्या समझा जा सकता है। इस फिल्म के निर्माता विनय सिंह व अंशुमान सिंह और निर्देशक विष्णु शंकर "बेलु" हैं। फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का ट्रेलर 4 मिनट 21 सेकेण्ड का है। फिल्म का क्लाइमेक्स बेहद मजेदार है, जो फिल्म के प्रति दर्शकों को आकर्षित करने वाला है। फिल्म को लेकर विक्रांत ने कहा कि इस फिल्म की कहानी अलग है और इसकी प्रस्तुति भी शानदार तरीके से की गयी। फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' विक्रांत सिंह राजपूत, रिचा दीक्षित, जे नीलम, अनीता रावत के साथ रजनीश झांझी, संतोष श्रीवास्तव, प्रकाश जैस, प्रिया दीक्षित, शबीह फातिमा जाफरी, सिमरन श्रीवास्तव, सोनिया मिश्रा, अंशू तिवारी मुख्य भूमिका में हैं।

हाल ही में वोग रनवे के संपादकों ने 2010 के दशक के फैशन पर एक समीक्षात्मक नज़र डाली। हालांकि तैयारी इस साल के फैशन शो की थी लेकिन संपादक यह देख कर हैरान रह गए कि करीब डेढ़ दशक बाद फैशन का वही दौर हमारे सामने खड़ा है। पिछले दशक में सोशल मीडिया, स्ट्रीटवियर और स्ट्रीट स्टाइल का उदय हुआ। इसने हमें फिर से न्यूनतम में अधिकतम का संदेश दिया है। जाहिर है फैशन का पुराना दौर फिर लौट रहा है।

नमी के इस मौसम में ऐसे रखें सेंसेटिव स्किन का ख्याल

सेंसेटिव स्किन के लिए वैसे ही मानसून का मौसम कहर बरपाता है और ऐसे में अगर आप तरह-तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपकी समस्या बद से बदतर हो सकती है। इसलिए, हमेशा यह सलाह दी जाती है कि इस मौसम में सेंसेटिव स्किन का ख्याल रखने के लिए कुछ नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें। आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जो मानसून में आपकी सेंसेटिव स्किन को पैम्पर करने में मदद करेंगी-

एलोवेरा का करें इस्तेमाल

मानसून में स्किन में खुजली व इरिटेशन की शिकायत होना बेहद आम बात है। ऐसे में अपनी सेंसेटिव स्किन को सूदिंग अहसास करवाने और उसे हाइड्रेट करने के लिए एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा में पाई जाने वाली एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोपर्टीज मानसून में आपकी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रखती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एलोवेरा के पत्ते को तोड़कर उसका फ्रेश जेल निकाल लें। अब इसे सीधे स्किन पर

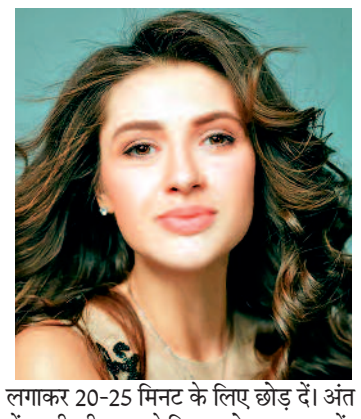

लगाकर 20-25 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से स्किन को साफ कर लें।

नीम का करें इस्तेमाल

मानसून में स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए नीम का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। यह आपकी सेंसेटिव स्किन के लिए भी उतना ही लाभकारी है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोपर्टीज पाई जाती हैं, जो मानसून में स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करती हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप नीम के पत्तां को अच्छी तरह धोकर पानी में उबालें। फिर इस पानी को ठंडा होने दें। आप इस पानी को छानकर इस पानी से अपनी स्किन को वॉश कर सकते हैं। अगर आप चाहें तो नीम के तेल को कैरियर ऑयल में मिक्स करके अपनी स्किन पर भी लगा सकते हैं।

ग्रीन टी का करें इस्तेमाल

मानसून में सेंसेटिव स्किन का ख्याल रखने के लिए ग्रीन टी का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं जो इंफ्लेमेशन को कम करने और इस मौसम में स्किन से जुड़ी परेशानियों को दूर करने में मददगार है। इसके इस्तेमाल के लिए एक कप ग्रीन टी बनाएं और उसे ठंडा होने दें। अब आप इसे कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाएं या इसे स्प्रे बोतल में डालकर इससे स्प्रे करें। आप इसे हर दिन टोनर या मिस्ट के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल का करें इस्तेमाल

सेंसेटिव स्किन के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

नजर आना चाहती है सबसे अलग तो क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी करें वियर

साड़ी का फैशन कभी पुराना नहीं हो सकता हैं और ये ही वजह है कि महिलाएं कई सारे मौकों पर साड़ी वियर करना पसंद करती हैं। साड़ी जहां आपका लुक खूबसूरत नजर आता है तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग भी नजर आता है। वहीं अगर आप साड़ी में कुछ ट्राई करने का सोच रही हैं तो आप ये क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस आर्टिकल में कुछ क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी वाली साड़ी दिखाएंगे जिन्हें आप कई सारे मौकों पर वियर कर सकती हैं।

क्रिस्टल सेक्विन कढ़ाई साड़ी

अगर आप लाइट कलर की साड़ी पहनने का सोच रही हैं तो आप इस तरह की क्रिस्टल सेक्विन कढ़ाई साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी के स्टाइलिश लूक पाने के लिए आप स्लीवलेस ब्लाउज पहन सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप इस साडी साथ हील्स और ज्वेलरी में आप मिरर वर्क नेकलेस और झुमके वियर कर सकती हैं। यह साड़ी आपको ऑनलाइन मिल जाएंगी साथ ही ऑफलाइन भी आप इस तरह की साड़ी को 1500 से 2000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

नेट साड़ी: यह नेट साड़ी भी कई सारे खास मौकों पर वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी में जहां आप स्टाइलिश नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा। इस साड़ी के आप डायमंड इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं साथ ही नेकलेस में आप इस साड़ी के साथ चोकर स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी आपको करीब 2000 रुपये से लेकर 3000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

ऑर्गेंजा क्रिस्टल साड़ी: रॉयल लुक के लिए आप इस तरह की साड़ी भी वियर कर सकती हैं। ये साड़ी ऑर्गेंज़ा फैब्रिक में हैं साथ ही इसमें क्रिस्टल एम्ब्रॉयडरी की गई है। वहीं इस तरह की साड़ी के साथ परल वर्क वाली ज्वेलरी साथ ही मिरर वर्क वाला नेकलेस आप इस साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आप बाजार से ले सकती हैं साथ ही ऑनलाइन भी आपको ये साड़ी 2 से 3 हज़ार रुपये में मिल जाएंगी।

सेब के सिरके से नाखूनों को बनाए चमकदार

हर महिला चाहती हैं कि उनकी त्वचा की तरह उनके नाखूनों की सुंदरता भी बनी रही। नाखूनों के सुंदर बनाए रखने के लिए कई सारे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं लेकिन इन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल बंद करने के बाद नाखूनों की सुंदरता कम हो जाती हैं, लेकिन अब आप सेब के सिरके की मदद से नाखूनों को चमकदार बना सकती हैं।

सेब के सिरका नाखूनों के लिए हैं फायदेमंद

सेब के सिरके में कई सारे गुण होते हैं और ये गुण नाखूनों के लिए भी फायदेमंद हैं। सेब के सिरके में एसिटिक और मैलिक एसिड होता हैं जो नाखूनों को चमकदार बनाए रखने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं सेब के सिरके में एंटीफंगल गुण भी होते हैं जो नाखूनों किसी भी तरह के फंगल इन्फेक्शन को दूर करने में मददगार और इस तरह से सेब के सिरके का नाखूनों पर इस्तेमाल करने से इन्हें सुंदर बनाया जा सकता है।

एक कटोरी में 2 चम्मच सिरका लें। इस सिरके में नाखूनों को 5 मिनट तक रखें। इसके बाद नेल्स की मसाज करें। इस उपाय को हफ्ते में 2 दिन करें। एक अन्य उपाय में एक गिलास में पानी लें। इस पानी में दो चम्मच सिरका डालें। इसमें 1 चम्मच ग्लिसरीन डालें। इस मिश्रण में नाखूनों को 5 मिनट तक रखें। इसके बाद नेल्स की मसाज करें। इस उपाय को हफ्ते में 3 दिन करें।

बालों को सफेद होने से रोकने में मददगार है यह होममेड स्प्रे

चेहरे पर खूबसूरती तभी आती है जब आपके बाल सही हो लेकिन आज के मॉडर्न लाइफस्टाइल में हेयर फॉल और उम्र से पहले बालों का सफेद होना एक बड़ी समस्या बन गई है। 20 साल की उम्र में भी बाल सफेद होने लगते हैं। यह लोग को खराब ना करें इसके लिए लोग डाई लगते हैं। अब एक बात तो तय है कि जो बाल सफेद हो गए हैं उसे दोबारा से नेचरली काले नहीं किया जा सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे उपाय हैं जिन्हें अपना कर आप बाकी बालों को सफेद होने से जरूर रोक सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में एक्सपर्ट भावना मेहरा से।

हेयर एक्सपर्ट भावना मेहरा जी बताती हैं कि बालों को सफेद होने से रोकने के लिए अखरोट के छिलके का सहारा लिया जा सकता है। इसकी मदद से खास तरह का स्प्रे बनाकर

बालों में लगाने से बाकी बचे हुए बालों को सफेद होने से आप रोक सकते हैं। आइए जानते हैं यह स्प्रे कैसे बनता है और इसे कैसे फायदा पहुंचता है।

सबसे पहले एक बर्तन में पानी उबालने के लिए चढ़ा दें। अब इसमें अखरोट के छिलके डाल कर कुछ देर तक इसे उबलने दें। जब पानी आधा हो जाए और पानी का रंग बदल जाए तो गैस बंद कर दें। अब इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद एक स्प्रे बॉटल में इस पानी को डाल दें। इसमें रोजमेरी एसेंशियल ऑयल मिलाएं। इसे अच्छी तरह से स्कैल्प और बालों पर स्प्रे करें। इस हेयर स्प्रे से आपको कुछ ही दिन में फायदा नजर आएगा।

एक्सपर्ट बताती हैं कि अखरोट में बायोटीन, विटामिन बी और बहुत सारा मैग्नीशियम होता है जो आपके बालों के क्यूटिकल्स को मजबूत करता है। खोपड़ी को पोषण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में अखरोट खाने के साथ-साथ अखरोट के छिलके से बने स्प्रे का इस्तेमाल करें, क्योंकि इसके छिलकों में भी यह सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जिससे आपके बाल सफेद होने से बच सकते हैं।

कार्नर न्यूज

हर मौसम मेंटेन रखिए अपनी स्टाइल, लोग करेंगे तारीफ

बरसात में स्टाइलिश दिखने के लिए मानसून फैशन टिप्स से खुद को करें इस तरह तैयार

मौसम चाहे जैसा भी हो, हर कोई अपने स्टाइल को मेंटेन रखना चाहता है। हालांकि, गर्मी और सर्दी के मौसम के मुकाबले बरसात के मौसम में स्टाइल को बरकार रखना थोड़ा चैलेंजिंग होता है। बारिश के सुहाने मौसम में भला कौन फैशन के कारण अपना मूड बिगाड़ना चाहेगा। इसलिए, बारिश के मौसम के हिसाब से खुद को तैयार करना बहुत जरूरी है। उमस से बचने के लिए परफेक्ट ड्रेस,कपड़ों को जल्दी सुखाना और फुटवियर्स को गीला होने से बचाना बारिश के दिन में फैशनेबल बनने को लेकर ये चैलेंज आते हैं। आप इन बातों का ख्याल रखते हैं तो आसानी से मानसून में भी स्टाइलिश बन सकते हैं। इसकी तैयारी आपको पहले ही कर लेनी चाहिए ताकि इस मौसम में बाकियों के मुकाबले ज्यादा अट्रैक्टिव दिख सकें। बरसात के सुहाने मौसम में खुद को हैंडसम बनाने के लिए मानसून फैशन टिप्स की मदद ले सकते हैं।

मानसून ड्रेस: बरसात के मौसम के हिसाब से कैसी ड्रेस पहननी चाहिए? अगर मानसून के दौरान सही ड्रेस नहीं पहनते हैं, तो त्वचा की समस्या और उमस के कारण परेशान हो सकते हैं। मानसून में कपड़ों का सही चुनाव करें। कॉटन और लिनन फैब्रिक के ड्रेस ही पहनें,स्लीव्स/ स्लीवलेस टी-शर्ट और प्रिंटेड शॉर्ट्स, ब्राइट कलर और फ्लोरल ड्रेस, कपड़ों से मेल खाता छाता, राउंड नेक टी-शर्ट और स्टाइलिश रेनकोट को अपनाएं। इस तरह से आप बरसात के मौसम के हिसाब से ड्रेस चुन सकते हैं। इनसे आपको बेहतर लुक मिल सकता है। साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी होंगी। डेनिम या मोटे फैब्रिक वाले ड्रेस ना पहनें, क्योंकि सूखने में बहुत टाइम लगेगा और गीला होने के बाद इनको पहने रहना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही पैंट या जींस को मोड़कर पहनें।

इसके अलावा सफेद रंग की ड्रेस पहनने से बचें| क्योंकि भीगने के बाद शरीर के आरपार दिखाई देने लगता है। इसके अलावा आप अपने बैग में छोटा तौलिया या गमछा रख सकते हैं जो कि आपके काम आ सकता है।

बरसात के लिए जूते या चप्पल?

बारिश के मौसम में सही फुटवियर्स नहीं पहनना परेशानी का सबब बन सकता है। लैदर के जूते-चप्पलों को भूलकर भी ना पहनें, क्योंकि गीले होने के बाद ये खराब हो सकते हैं और पैरों की त्वचा के लिए नुकसानदेह साबित हो सकते हैं। इस दौरान फ्लिप-फ्लॉप, स्लीपर और रंग-बिरंगे कैनवस शूज आदि पहनें। इस मौसम में जूते कम से कम पहनें। इसके अलावा गीले कपड़े या शूज ज्यादा देर तक ना पहनें, स्पोर्ट्स स्टाइल वॉच पहनें और गीले शॉक्स व अंडरगारमेंट्स ना पहनें।